खबर संक्षेप

वेतन न मिलने पर सफाई कर्मियों का विरोध

मैहर । मैहर नगर पालिका परिषद के द्वारा सफाई कर्मचारियों के वेतन भुगतान में हो रही देरी से नाराज सफाई कर्मी लामबंद हो गए और अपनी मांगों को लेकर सकूंटा तालाब पहुंचे। सफाई कर्मियों का कहना है कि समय पर वेतन न मिलने के कारण उन्हें आर्थिक परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। मामले की जानकारी मिलते ही सांसद प्रतिनिधि संतोष सोनी मौके पर पहुंचे और सफाई कर्मियों से बातचीत कर उनकी समस्याएं सुनीं। इस दौरान उन्होंने सफाई कर्मियों को समझाइश देते हुए आश्वस्त किया कि वेतन भुगतान की समस्या का जल्द समाधान किया जाएगा। चर्चा के दौरान यह सहमति बनी कि सफाई कर्मियों को हर महीने की 5 से 10 तारीख के बीच नियमित रूप से वेतन का भुगतान सुनिश्चित किया जाए, ताकि भविष्य में ऐसी स्थिति उत्पन्न न हो। सफाई कर्मियों ने चेतावनी दी है कि यदि समय पर वेतन नहीं मिला तो वे आगे भी आंदोलन करने को मजबूर होंगे। वहीं प्रशासन ने भी इस मुद्दे को गंभीरता से लेते हुए जल्द कार्रवाई का भरोसा दिलाया है।

महेश अतिथि सत्कार प्रभारी बनाए गए

मैहर। भारतीय जनता पार्टी जिला मैहर में संगठन को मजबूती देने के लिए जिला अध्यक्ष कमलेश सुहाने द्वारा अहम नियुक्ति की गई है। जारी आदेश के अनुसार मनोज चौरसिया को अतिथि सत्कार कार्य के सुचारू एवं व्यवस्थित संचालन हेतु अतिथि सत्कार प्रभारी बनाया गया है।जिला अध्यक्ष कमलेश सुहाने ने बताया कि मनोज चौरसिया लंबे समय से पार्टी के सक्रिय एवं समर्पित कार्यकता हैं, जिनकी कार्यशैली को देखते हुए उन्हें यह महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी गई है।नई जिम्मेदारी मिलने पर मनोज चौरसिया के साथियों और समर्थकों द्वारा खुशी व्यक्त की गई एवं बधाई दी गई।

सतना में मौसम का मिजाज बदलाः तपती गर्मी के बीच धूल भरी आंधी और बूंदाबांदी

सतना। विंध्य क्षेत्र में भीषण गर्मी और लू के सितम के बीच सोमवार को मौसम ने अचानक करवट ली। दोपहर तक सूरज की तेज तपिश और 'लू' के थपेड़ों से जनजीवन बेहाल था, लेकिन दोपहर बाद आसमान में बादलों का डेरा जम गया। देखते ही देखते धूल भरी आंधी चलने लगी, जिससे दृश्यता कम हो गई और राहगीरों को आवाजाही में परेशानी का सामना करना पड़ा। आंधी के साथ-साथ जिले के कुछ हिस्सों में हल्की बूंदाबांदी भी दर्ज की गई, जिससे तापमान में मामूली गिरावट महसूस हुई है। आंकड़ों की बात करें तो अधिकतम तापमानः 44.4सेल्सियस न्यूनतम तापमानः 28.0सेल्सियस आर्द्रता : 30/18 प्रतिशत दर्ज की गई।हालांकि, शाम को मौसम बदलने से राहत तो मिली, लेकिन रात होते ही हवाओं की गति कम हो गई है, जिससे उमस महसूस की जा रही है। मौसम विभाग के अनुसार, आने वाले दिनों में भी इसी तरह के उतार-चढ़ाव देखने को मिल सकते हैं।

जनसमस्याओं का त्वरित निराकरण सुनिश्चित किया जाए : सिंह

मैहर। सर्किट हाउस में सांसद गणेश सिह ने प्रशासनिक अधिकारियों और स्थानीय जनप्रतिनिधियों के साथ बैठक कर मैहर क्षेत्र की विभिन्न समस्याओं पर विस्तार से चर्चा की। बैठक में शहर के विकास से जुड़े अहम मुद्दों, विशेषकर नई बस स्टैंड के निर्माण के लिए भूमि और सड़क निर्माण कार्यों में आ रही बाधाओं पर गंभीर मंथन किया गया।बैठक में मैहर कलेक्टर बिदिशा मुखर्जी, पुलिस अधीक्षक आशुतोष सिह, एसडीएम दिव्या पटेल सहित अन्य अधिकारियों ने अपने-अपने विभागों से संबंधित जानकारी प्रस्तुत की। वहीं जनप्रतिनिधियों ने जमीनी स्तर की समस्याओं को सामने रखते हुए समाधान की मांग कीइस दौरान जिला अध्यक्ष कमलेश सुहाने, नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती गीता संतोष सोनी, सांसद प्रतिनिधि संतोष सोनी, रामखेलावन कोल, जयंती महेश तिवारी, अशोक चौबे, महेश दरयानी, संजय राय, सत्यभान पटेल, महेश तिवारी सहित भाजपा कार्यकता भी उपस्थित रहे।सांसद गणेश सिह ने अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि जनसमस्याओं का त्वरित निराकरण सुनिश्चित किया जाए तथा विकास कार्यों में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

वन स्टॉप सेंटर की सुरक्षा में बड़ी चूक

खिड़की तोड़कर भागीं तीन नाबालिग लड़कियां

सतना।

जिला मुख्यालय स्थित 'वन स्टॉप सेंटर' (नारी निकेतन) से सुरक्षा व्यवस्था को धता बताते हुए तीन नाबालिग लड़कियों के भागने का सनसनीखेज मामला सामने आया है। हैरान करने वाली बात यह है कि यह घटना तब हुई जब केंद्र पर बाकायदा गार्ड और केयरटेकर तैनात थे।

आधी रात को अंजाम दी गई वारदात

जानकारी के अनुसार, घटना देर रात करीब 1:30 बजे की है। केंद्र के भीतर मौजूद तीन नाबालिग बच्चियों ने कमरे की खिड़की तोड़ी और वहां से रफूचक्कर हो गईं। बताया जा रहा है कि सेंटर में सुरक्षा के लिए 8-8 घंटे की शिफ्ट में कर्मचारी तैनात रहते हैं। जिस वक्त यह घटना हुई, उस समय भी केयरटेकर और सुरक्षाकर्मी ड्यूटी पर मौजूद थे, फिर भी उन्हें भनक तक नहीं लगी। यह सीधे तौर पर नारी निकेतन की सुरक्षा व्यवस्था और मॉनिटरिंग पर गंभीर सवालिया निशान लगाता है।

जांच में भी लापरवाहीः वर्दी के रसूख में 'निजी' दखल

मामले की गंभीरता को देखते हुए कोतवाली थाने में शिकायत दर्ज कराई गई है और पुलिस जांच में जुटी है। हालांकि, जांच की प्रक्रिया भी विवादों के घेरे में आ गई है। जब महिला सब-इंस्पेक्टर मामले की जांच करने वन स्टॉप सेंटर पहुंचीं, तो उनके साथ उनके पति भी केंद्र के भीतर नजर आए। वायरल हो रही जानकारी के अनुसार, उनके पति सेंटर के अंदर आराम से कुर्सी पर बैठकर जांच की जानकारी लेते और दखल देते दिखाई दिए।

सुरक्षा पर खड़े होते गंभीर सवाल

वन स्टॉप सेंटर जैसे संवेदनशील स्थानों पर, जहां पीड़ित और नाबालिग लड़कियां सुरक्षित रखी जाती हैं, वहां से इस तरह भाग जाना प्रशासन की कार्यप्रणाली को उजागर करता है।

क्या गार्ड और केयरटेकर अपनी ड्यूटी पर सो रहे थे? खिड़की तोड़ने जैसी आवाज होने के बावजूद किसी ने उन्हें क्यों नहीं रोका? जांच प्रक्रिया में पुलिस अधिकारी के परिजनों का हस्तक्षेप कितना उचित है? फिलहाल कोतवाली पुलिस मामले की जांच कर रही है और फरार लड़कियों की तलाश जारी है। लेकिन इस घटना ने वन स्टॉप सेंटर की सुरक्षा की कलई खोलकर रख दी है।

मझगवां में कुपोषण का तांडव: जिले में 4 हजार बच्चे कुपोषित

सिस्टम की 'एनीमिया' ने चुकी है मासूम की जान

सतना।

जिले का मझगवां विकासखंड कुपोषण के लिए कलंक बन चुका है। 22 अप्रैल को पथरा सुरांगी निवासी 4 माह की मासूम सुप्रांशी की मौत ने प्रशासनिक दावों की न केवल पोल खोल दी है, बल्कि उन अफसरों की कारगुजारी पर भी उंगली उठ रही है जो कुपोषण खत्म करने के लिए शासन की करोड़ रुपए की राशि फूंक चुके हैं। जांच में सामने आया है कि सुप्रांशी और उसका जुड़वां भाई नैतिक लंबे समय से बीमार थे, लेकिन समय पर इलाज न मिलने के कारण बच्ची ने रास्ते में ही दम तोड़ दिया। नैतिक फिलहाल रीवा के संजय गांधी अस्पताल में जीवन और मौत की जंग लड़ रहा है।

10 नए केस, 60 गांव 'हाई रिस्क' पर

सुप्रांशी की मौत के बाद जब प्रशासनिक नींद टूटी और बीएमओ डॉ. रूपेश सोनी की टीम ने गांवों का दौरा किया, तो हालात भयावह मिले। जांच के दौरान 10 और बच्चे गंभीर कुपोषित पाए गए, जिन्हें आनन-फानन में पोषण पुनर्वास केंद्र में भर्ती कराया गया। प्रशासन ने अब ब्लॉक के 60 गांवों को 'हाई रिस्क' श्रेणी में चिन्हित किया है। नयागांव की 5 माह की मोहिनी भी गंभीर मिली है, जिसका वजन मात्र 2.3 किलो है और उसका एक कान भी विकसित नहीं हुआ है।

बर्खास्त कार्यकर्ता की दोबारा नियुक्ति

इस त्रासदी के पीछे मैदानी अमले की भारी लापरवाही सामने आई है। आंगनबाड़ी कार्यकर्ता पूजा पांडेय, जिन्हें 2022 में कुपोषण से हुई एक अन्य मौत के बाद बर्खास्त किया गया था, उनकी दोबारा नियुक्ति कैसे हुई, यह बड़ा सवाल है। परिजनों का आरोप है कि आशा और आंगनबाड़ी कार्यकर्ता डिलीवरी के बाद फॉलोअप नहीं करतीं। सुप्रांशी की मां विमला खुद गंभीर एनीमिया (हीमोग्लोबिन 6.3 ग्राम) से जूझ रही थीं, लेकिन उन्हें पर्याप्त रक्त और आयरन की खुराक नहीं दी गई।

गरीबी और संसाधनों का अभाव

कुपोषण की जड़ें सिर्फ बीमारी में नहीं, बल्कि व्यवस्थागत खामियों में भी हैं। पथरा सुरांगी के 96 घरों में से सिर्फ 4 को पीएम आवास मिला है। जमीन न होने के कारण ग्रामीण योजनाओं के लाभ से वंचित हैं। कई परिवार मजदूरी छूटने के डर से बच्चों को एन आर सी ले जाने से कतराते हैं। मझगवां सीएचसी में न तो शिशु रोग विशेषज्ञ है और न ही स्त्री रोग विशेषज्ञ। पूरा केंद्र एक मेडिकल ऑफिसर के भरोसे चल रहा है। आंकड़े बताते हैं भयावह स्थिति पिछले 11 महीनों में जिले के एन आर सी में 1680 बच्चे भर्ती किए गए हैं। वर्तमान में जिले में करीब 4000 बच्चे कुपोषित हैं, जिनमें से 2000 'अतिकुपोषित' की श्रेणी में हैं। मझगवां में ही 240 नए मामले सामने आए हैं। कलेक्टर डॉ. सतीश कुमार एस के निर्देश पर अब एक नया 'मास्टर प्लान' तैयार किया जा रहा है। एसडीएम और स्वास्थ्य विभाग की टीमें नए सिरे से सर्वे कर रही हैं, ताकि डिस्चार्ज के बाद बच्चों का फॉलोअप सुनिश्चित किया जा सके। ऐसा की बार हो चुका है लेकिन नतीजा सिफर रहा।

पेट्रोल पंपों से लौट रहे वाहन चालक परेशान

पेट्रोल-डीजल की किल्लत से आमजन, वाहन चालक और श्रद्धालु परेशान

मैहर। धर्मनगरी मैहर में पेट्रोल पंपों में पेट्रोल और डीजल न मिलने से वाहना चालकों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। मैहर में आज पेट्रोल डीजल की भारी किल्लत से आमजन, वाहन चालकों और श्रद्धालुओं की परेशानियां बढ़ गई है। बताया जा रहा है कि शहर के प्रमुख इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन और भारत पेट्रोलियम के पेट्रोल पंपों पर ईंधन का स्टॉक समाप्त हो जाने से पूरे शहर में अफरा-तफरी का माहौल है। मां शारदा की नगरी होने के कारण मैहर में प्रतिदिन हजारों श्रद्धालु दर्शन के लिए पहुंचते हैं ऐसे में ईंधन संकट ने विशेष रूप से बाहरी शहरों से आए श्रद्धालुओं और पर्यटकों की मुश्किलें बढ़ा दी हैं। देखा गया है कि कई वाहन चालक अपनी गाड़ियों को धक्का देते नजर आए, जबकि कई लोग घंटों कतार में खड़े रहने के बाद बिना ईंधन के लौटने को मजबूर हुए।

भारी भीड़ के कारण स्थिति चुनौतीपूर्ण

सूत्रों के अनुसार डिपो से ईंधन आपूर्ति में व्यवधान आने के कारण यह स्थिति उत्पन्न हुई है। पेट्रोल पंप संचालकों का कहना है कि मांग के अनुरूप आपूर्ति नहीं हो पाने से उनके टैंक खाली हो गए हैं। इसके चलते लोग अब शहर से बाहर स्थित पेट्रोल पंपों का रुख कर रहे हैं। जहां भारी भीड़ के कारण स्थिति और अधिक चुनौतीपूर्ण हो गई है। ईंधन संकट का असर केवल यात्रियों तक सीमित नहीं है। कामकाजी लोगों, दैनिक वेतनभोगियों और व्यापारियों को भी इससे परेशानी हो रही है। परिवहन व्यवस्था प्रभावित होने से स्थानीय व्यापार पर भी प्रतिकूल असर पड़ रहा है इसके साथ ही एंबुलेंस और अन्य आपातकालीन सेवाओं के लिए ईंधन की उपलब्धता सुनिश्चित करना भी चुनौती बन गया है।

ईंधन टैंकरों के पहुंचने का इंतजार

स्थानीय नागरिकों और वाहन चालकों ने जिला प्रशासन तथा संबंधित विभागों से तत्काल हस्तक्षेप की मांग की है. लोगों का कहना है कि यदि शीघ्र ही ईंधन आपूर्ति बहाल नहीं की गई तो स्थिति और गंभीर हो सकती है। फिलहाल, शहरवासी और श्रद्धालु ईंधन टैंकरों के पहुंचने का इंतजार कर रहे हैं ताकि मैहर की थमी रफ्तार फिर से सामान्य हो सके।

जिला पंचायत की बैठक में हंगामा, धरने पर बैठे सदस्य

विकास कार्यों में भेदभाव का आरोप

सतना।

सोमवार को जिला पंचायत के सामान्य सम्मेलन की बैठक हंगामेदार रही। बैठक की अध्यक्षता जिला पंचायत अध्यक्ष रामखेलावन कोल कर रहे थे। इस दौरान कई सदस्यों ने विकास कार्यों में भेदभाव का आरोप लगाते हुए सदन के भीतर ही धरना-प्रदर्शन शुरू कर दिया।

प्रदर्शनकारी सदस्यों ने आरोप लगाया कि सत्ता पक्ष के जनप्रतिनिधियों के वार्डों में विकास कार्यों के लिए अधिक धनराशि खर्च की जा रही है, जबकि विपक्षी सदस्यों के वार्डों की लगातार उपेक्षा हो रही है। सदस्यों ने कहा कि इस असंतुलन के कारण कई क्षेत्रों में मूलभूत सुविधाएं भी प्रभावित हो रही हैं। गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि जिले के ग्रामीण इलाकों में लगातार आग लगने की घटनाएं हो रही हैं। इसके बावजूद, जिला खनिज न्यास (डीएमएफ) मद से अब तक एक भी दमकल वाहन की व्यवस्था नहीं की गई है। उन्होंने इसे प्रशासन की बड़ी लापरवाही बताया।

इस विरोध प्रदर्शन में सदस्य जान्हवी यादव, सावित्री त्रिपाठी, विमला देवी और एकता सिंह भी शामिल थीं। सभी ने एक स्वर में पारदर्शिता और समान विकास की मांग की। सदस्यों ने चेतावनी दी कि जब तक सभी वार्डों के साथ समान व्यवहार नहीं होगा, तब तक उनका विरोध जारी रहेगा।

बैठक के दौरान स्थिति कुछ समय के लिए तनावपूर्ण बनी रही। हालांकि, बाद में जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी (सीईओ) शैलेन्द्र सिंह ने हस्तक्षेप किया। उन्होंने नाराज सदस्यों से बातचीत की, उनकी समस्याओं को सुना और उचित कार्रवाई का आश्वासन दिया। इसके बाद मामला शांत हुआ और बैठक की कार्यवाही सामान्य रूप से आगे बढ़ सकी। इस घटनाक्रम ने जिला पंचायत की कार्यप्रणाली और विकास कार्यों में संतुलन को लेकर कई सवाल खड़े किए हैं।

गुम हुए मोबइलों को बरामद कर स्वामियों को लौटाए गए पुलिस की तकनीकी दक्षता और जनसेवा का उत्कृष्ट उदाहरण

मैहर। जिला पुलिस बल मैहर द्वारा सीईआईआर पोर्टल के माध्यम से लगभग रुपए 14 लाख 35 हजार मूल्य के 85 गुम हुए मोबाइल फोन बरामद कर उनके वास्तविक स्वामियों को लौटाए गए। उक्त जानकारी पुलिस अधीक्षक अवधेश प्रताप सिह (भा.पु.से.)के द्वारा बताया गया कि सीईआईआर पोर्टल में गुम मोबाइल संबंधी शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए साइबर सेल मैहर एवं जिले के समस्त थाना प्रभारियों को ऐसे प्रकरणों में त्वरित कार्रवाई करने हेतु निर्देशित किया गया था। पुलिस अधीक्षक के निर्देशन तथा अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक डॉ. चंचल नागर के मार्गदर्शन में जिला साइबर सेल एवं जिले के समस्त थानों की संयुक्त टीम द्वारा सीईआईआर(सेन्ट्रल इक्यूपमेंट आइडेन्टी रेजिस्टर) पोर्टल के माध्यम से तकनीकी विश्लेषण कर विभिन्न कंपनियों के कुल 85 मोबाइल फोन सफलतापूर्वक ट्रेस कर बरामद किए गए। बरामद किए गए मोबाइल फोन सैमसंग, वनप्लस, ओप्पो, वीवो, पोको, टेक्नो, रेडमी, रियलमी, एमआई, इंफिनिक्स, लावा आदि कंपनियों के हैं जिन्हें मैहर, सतना, रीवा, पन्ना, छतरपुर, चित्रकूट, मऊगंज, टीकमगढ़, गुजरात , दिल्ली, उत्तरप्रदेश सहित विभिन्न स्थानों से ट्रेस कर प्राप्त किया गया । आज पुलिस अधीक्षक कार्यालय मैहर में आयोजित कार्यक्रम के दौरान पुलिस अधीक्षक एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक द्वारा उक्त मोबाइल उनके वास्तविक मालिकों को सुपुर्द किए गए। मोबाइल वापस मिलने पर सभी मोबाइल मालिकों द्वारा पुलिस अधिकारियों का धन्यवाद ज्ञापित किया गया। इस उल्लेखनीय सफलता पर पुलिस अधीक्षक द्वारा साइबर सेल एवं संबंधित थाना स्टाफ के कार्य की सराहना करते हुए उन्हें पुरस्कृत किए जाने की घोषणा की गई।

पहले चली कुल्हाड़ियां फिर सुलग उठा जंगल: बरौंधा रेंज में 'सागौन' के कत्लेआम को आग में छिपाने की साजिश!

सतना।

एक ओर जहाँ केंद्र और राज्य सरकारें 'एक पेड़ माँ के नाम' जैसे अभियान चलाकर पर्यावरण संरक्षण के लिए करोड़ों रुपये का बजट पानी की तरह बहा रही हैं, वहीं सतना वनमंडल के बरौंधा रेंज से एक ऐसा सनसनीखेज मामला सामने आया है जो सरकारी दावों की धज्जियाँ उड़ा रहा है। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार, यहाँ के सघन जंगलों में न केवल बेशकीमती सागौन के पेड़ों की बलि दी गई, बल्कि इस 'महापाप' के सबूत मिटाने के लिए पूरे क्षेत्र को आग के हवाले कर दिया गया।

बीट दर बीट भ्रष्टाचार का जाल

बरौंधा रेंज के भीतर चल रहे इस खेल ने विभाग की कार्यप्रणाली को कठघरे में खड़ा कर दिया है। विश्वसनीय सूत्रों के मुताबिक, भ्रष्टाचार की जड़ें बीट स्तर तक फैली हुई हैं।

महतैन बीट (कक्ष क्रमांक 138-139) यहाँ लगभग 100 से अधिक हरे-भरे और करीब 20 साल पुराने सागौन के पेड़ों को अवैध रूप से धराशायी कर दिया गया। वन तस्करों ने विभागीय मिलीभगत से इन पेड़ों को काटकर जंगल से बाहर ठिकाने लगा दिया।

मोहनी बीट (कक्ष क्रमांक 89): यहाँ करीब 27 हेक्टेयर के विस्तृत वन क्षेत्र में भारी अनियमितता की आशंका जताई जा रही है। स्थानीय लोगों का कहना है कि यहाँ पेड़ों की सघनता को कागजों पर कम दिखाकर अवैध कटाई को अंजाम दिया गया।

कागजी खानापूर्ति और भुगतान

भ्रष्टाचार का सबसे शर्मनाक पहलू महतैन बीट के कक्ष क्रमांक 184 में देखने को मिला है। आरोप है कि यहाँ 15 हेक्टेयर क्षेत्र में बिना कोई जमीनी काम किए, अधिकारियों ने मिलीभगत कर कागजी खानापूर्ति की और भुगतान की प्रक्रिया भी पूरी कर ली।

साजिश की 'आग' और जिम्मेदारों का 'मौन'

अवैध कटाई के बाद ठूंठों को छिपाने के लिए जंगल में आग लगा देना अब एक आम तरीका बन गया है। जानकारों का मानना है कि बरौंधा में भी यही हुआ। जब पेड़ों के कटने के निशान साफ दिखने लगे, तो उन्हें जलाने के लिए आगजनी का सहारा लिया गया ताकि यह प्राकृतिक आपदा या 'वनाग्नि' प्रतीत हो। हैरत की बात यह है कि इतने बड़े पैमाने पर पेड़ों की कटाई और फिर आगजनी की घटना हो गई, लेकिन वन विभाग के आला अधिकारियों को इसकी भनक तक नहीं लगी। क्या यह केवल लापरवाही है या फिर अवैध लकड़ी की बिक्री से होने वाली काली कमाई का हिस्सा ऊपर तक पहुँच रहा है? स्थानीय ग्रामीणों का कहना है कि बिना विभागीय 'सेटिंग' के जंगल में परिंदा भी पर नहीं मार सकता, तो फिर सैकड़ों पेड़ कैसे गायब हो गए?

सवाल के घेरे में 'अभियान'

बरौंधा वनपरिक्षेत्र की राख आज शासन और प्रशासन से कड़वे सवाल पूछ रही है। क्या 'एक पेड़ माँ के नाम' जैसी योजनाएं केवल फोटो खिंचवाने और विज्ञापनों तक ही सीमित हैं? यदि रक्षक ही भक्षक बन जाएंगे, तो भविष्य की पीढ़ियों के लिए हरियाली कैसे बचेगी? अब देखना यह है कि सतना वनमंडल के वरिष्ठ अधिकारी इस गंभीर मामले में क्या ठोस कार्रवाई करते हैं या फिर हमेशा की तरह छोटी मछलियों पर गाज गिराकर बड़े मगरमच्छों को बचा लिया जाएगा।

खबर संक्षेप

शाहनगर में गौ सम्मान को लेकर ज्ञापन सौंपा

पन्ना। सोमवार को तहसील मुख्यालय में "गौ सम्मान आवाहन अभियान" के तहत गौरक्षकों एवं आम नागरिकों ने एकत्रित होकर तहसीलदार महेश कुमार अवधिया को ज्ञापन सौंपा। यह ज्ञापन देश के राष्ट्रपति, राज्यपाल, प्रधानमंत्री एवं मुख्यमंत्री के नाम संबोधित किया गया। अभियान के दौरान बड़ी संख्या में लोगों ने प्रपत्र पर हस्ताक्षर कर गौ संरक्षण के प्रति अपना समर्थन जताया। ज्ञापन में गाय को राष्ट्रमाता का दर्जा देने की मांग प्रमुख रूप से उठाई गई। इसके साथ ही गौ तस्करी पर रोक लगाने के लिए कड़े कानून बनाने तथा गौ हत्या करने वालों के खिलाफ सख्त दंडात्मक प्रावधान लागू करने की मांग भी शामिल की गई। इस अवसर पर उपस्थित लोगों ने कहा कि गौ संरक्षण भारतीय संस्कृति और आस्था से जुड़ा विषय है, जिसके लिए ठोस कदम उठाए जाने आवश्यक हैं। कार्यक्रम में क्षेत्र के कई सामाजिक कार्यकर्ता एवं ग्रामीणजन मौजूद रहे।

बाघ कंकाल मामले में बीट गार्ड निलंबित वनपाल एवं रेंजर को आरोप पत्र जारी

पन्ना। पन्ना टाइगर रिजर्व में 21 अप्रैल को एक नर बाघ का कंकाल मिला था। उक्त मामले में बीट गार्ड कटारिया राम सफल बैग को निलंबित कर दिया गया है तथा कार वाहक वनपाल एवं सर्किल प्रभारी बकचुर कमल किशोर मोची एवं परि क्षेत्राधिकार गंगाऊ अभ्यारण सागर शुक्ला को आरोप पत्र देकर जवाब तलब किया गया है मामले में प्रकरण दर्ज किया गया था जिसकी जांच चल रही है तथा जबलपुर एसटीएफ टीम द्वारा अपराधिक गतिविधियों की गहन पड़ताल की जा रही है ज्ञात हो बीट कटारिया वन कक्ष क्रमांक 278 में नर बाघ का छत-बिछत शव बरामद हुआ था।

महिला के गले से चेन झपटने वालों का नहीं लगा सुराग

पन्ना। कोतवाली थाना अंतर्गत पुरुषोत्तमपुर वार्ड क्रमांक 27 की निवासी स्वाति तिवारी पति पीतम तिवारी दिनांक 26 अप्रैल को पन्ना पहाड़ी खेड़ा रोड रघु लीला पैलेस के पास शाम 6रू00 घूमने निकली थी इसी दौरान लगभग 6रू40 बजे दो लोग मोटरसाइकिल से हेलमेट पहने हुए आए तथा चाकू लगाकर सोने की चेन छीन कर ले गए एवं अजयगढ़ चौराहे की तरफ भाग गए आवेदिका ने बताया कि घटना की सूचना मेरे द्वारा अपने पति तथा रिश्तेदारों को दी गई एवं डायल 112 को फोन लगाया कुछ देर बाद कोतवाली से प्रधान आरक्षक तोमर आ ई मत सेन तथा उपनिरीक्षक मनोरमा मोर पहुंच गई उनको सारी घटना बताइ आसपास के घरों में लगे सीसीटीवी कैमरा को भी देखा गया लेकिन जब तक चोर भाग गए थे मामले की शिकायत कोतवाली में दर्ज कराई गई है

भगवान सिद्धनाथ के दर्शन करते हुये आशीर्वाद लेकर जहां संकल्प के साथ गांव में किया प्रवेश गुलाब की पंखुड़ियों से स्वागत, हनुमान जी का लिया आशीर्वाद

गांव के विकास के लिये घर-धर अलग-अलग तरीके से अपने विधायक का स्वागत पहली बार गांव में उमंग विकास के लिये एक राय

पन्ना।

धन्य है वो धरा जहां सिद्धनाथ स्वामी जैसे भगवान की कृपा जिनके आर्शीवाद से मार्ग स्वतः ही अनुकूल हो जाता है समस्यायें समाधान की ओर जानी जाती है। जिस तरह से प्रबिस नगर की जय सब काजा ऐसा आर्शीवाद जैसे मिला हो यह सामने नजर आया। गांव में पहुंचते ही गुलाब की पंखुड़ियों से जहां अपने लोकप्रिय विधायक पूर्व मंत्री बृजेन्द्र प्रताप सिंह का उत्साह के साथ स्वागत में उमड़ा ग्रामीणों का सैलाब। वहीं गांव के ही रक्षक हनुमान जी का दर्शन करते हुये आर्शीवाद के साथ ग्राम फरस्वाहा में जहां उनके चहेतों ने अपने-अपने दरवाजे में हरे पत्ते आम के लगाकर दरवाजे बनाये थे वहीं गर्मी के मौसम को ध्यान में रखते हुये अलग-अलग तरह से पेय पदार्थ का सेवन कराने के लिये बेताब नजर आये ग्रामीण। पूरे गांव में बैण्ड बाजा की धुन वहीं भीषण गर्मी में साथ चल रहे थे सभी ग्रामीण जहां अगले हर दरवाजे में स्वागत के लिये इंतजार में मानो गांव में सब मिलकर क्या न खिला दें ऐसा प्रेम प्रतीत हो रहा था। कहीं लस्सी तो कहीं ठण्डाई तो कहीं ठण्डा के साथ तो कहीं छप्पन भोग की तरह अपने लाडले विधायक का किया गया स्वागत। यह कार्यक्रम इस गांव में जैसे सिद्धनाथ भगवान के आर्शीवाद से वहीं हनुमान जी की कृपा जैसे इस गांव के विकास को लेकर साथ में बह रही गंगा की दिशा स्वयं ही उत्साह में नजर आ रहा था वहीं स्वयं पूर्व मंत्री पन्ना विधायक बृजेन्द्र प्रताप सिंह ने अपने उद्बोधन में बयां किया कि यह सम्मान मेरे लिये कर्ज के बतौर है जनता का उत्साह व आर्शीवाद मिलता है तो विकास के कार्य करने में हमारी ताकत स्वमेव बढती है। शायद अब इस गांव में विकास की दिशा निश्चितौर पर तय होगी और यह गांव संपूर्ण विकास को लेकर संघे शक्ति कलयुगे के नारे को चरितार्थ करेगी। इस भीषण गर्मी में जिस तरह से गांव वालों ने एकता के साथ संकल्प लेकर अपने विधायक को तीसरी बार भी आर्शीवाद श्रद्धा के साथ बनाने को लेकर दिया है वहीं गांव के विकास को लेकर विधायक ने भी खुले मान से प्रयास को सार्थक दिशा देने के लिये शायद माना जा रहा है। जब सब मिलकर तय करते है तभी तो सबका साथ सबका विकास साक्षी बनता है यहां तो इस ग्राम में भगवान सिद्धनाथ की कृपा जैसे यह समय आर्शीवाद के रूप में मिला हो वहीं हनुमान जी की कृपा समेटे गांव के विकास को लेकर यह विगत दिवस का कार्यक्रम सदैव जाना जायेगा। ग्रामीणों की ताकत एकता की गांव के विकास के लिये विकास पुरूष के रूप में जिन्हें मिली उपाधी ऐसे विधायक बृजेन्द्र प्रताप सिंह का साथ जहां सबके साथ से सबके विकास का मार्ग शायद सदैव तत्परता को लेकर माना जाये क्योंकि जनप्रतिनिधियों के रूप में हमारे जिले में अब तक सभी का कार्यकाल देखा गया पर जो विकास की सोच पूर्व मंत्री पन्ना विधायक बृजेन्द्र प्रताप सिंह ने शायद इनका मुकाबला किसी से नहीं किया जा सकता। चाहे पवई हो या पन्ना विधानसभा इनके कराये गये कार्य ही सभी के लिये उदाहरण है। अब जिनकी झोली में डाला गया गांव अब इनकी बारी समय पर अगर ग्रामीणों की समस्याओं का हुआ समाधान तो बनेगा इतिहास इस विधानसभा में इस पोलिंग बूथ का परिणाम स्वमेव जाना जायेगा। विकास जनप्रतिनिधि का भविष्य सदैव आगे के लिये आम जनता जो अपने मत से चुनती है यहां यह साक्षी होगा।

गौ माता को राष्ट्र माता घोषित करने की उठी मांग

अनुविभागीय अधिकारी को सौंपा ज्ञापन

पवई।

संतों के अथक संघर्ष और पूज्य संत श्री करपात्री जी महाराज के बलिदान की स्मृति और मोहिनी एकादशी के अवसर पर सोमवार को पूरे भारतवर्ष में गौ सम्मान आह्वान अभियानश के तहत हुंकार भरी गई। इसी क्रम में पवई में भी सैकड़ों गौ-भक्तों ने एकजुट होकर गौ माता को श्राष्ट्रमाताश का दर्जा दिलाने और संपूर्ण भारत में गौ-हत्या पर पूर्ण प्रतिबंध लगाने हेतु अनुविभागीय अधिकारी समीक्षा जैन को एक ज्ञापन सौंपा।

प्रदेश के राज्यपाल एवं मुख्यमंत्री के नाम सौंपा ज्ञापन

तहसील कार्यालय पहुँचकर अनुविभागीय अधिकारी को राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, राज्यपाल और मुख्यमंत्री के नाम संबोधित ज्ञापन सौंपा गया। ज्ञापन में मुख्य रूप से मांग की गई है कि गौ माता को श्राष्ट्रमाताश घोषित करना वेदलक्षणा गौमाता (स्वदेशी गोवंश) को राष्ट्रीय सम्मान देना, कठोर कानून की मांग गौ-हत्या पर पूर्ण प्रतिबंध हेतु केंद्र और राज्य स्तर पर सख्त कानून का निर्माण,गौ-आधारित अर्थव्यवस्था प्रदेश में गौ-संरक्षण के साथ-साथ ग्रामीण अर्थव्यवस्था को गौ-वंश से जोड़कर सुदृढ़ बनाना।इस अवसर पर डॉ धनराज सिंह भदौरिया, प्रहलाद बेहरे, रानू जैन,हरिकेश बड़ोलिया,राजेश नगायच, भाइयों लटोरिया, संजू पटेल,विजय पटेल, प्रदीप मिश्रा, हरिराम पटेल मौजूद रहे।

बस से लाखों के जेवरात चोरी सलेहा पुलिस नहीं कर रही मामला दर्ज, पुलिस अधीक्षक से लगाई न्याय की गुहार

पन्ना। पन्ना जिले की पुलिस बेलगाम बनी हुई है आम जनता के ऊपर होने वाले अपराधों के संबंध में शिकायत करने के बाद कार्यवाही नहीं कर रही है उल्टा अपराधियों को ही संरक्षण दे रही है पन्ना पुलिस अधीक्षक श्रीमती निवेदिता नायडू को इस संबंध में थाना प्रभारियों को कड़े निर्देश जारी करने चाहिए जिससे लोगों की समस्याओं का निराकरण थाना स्तर पर ही हो सके छोटी से छोटी शिकायत है लेकर लोग पुलिस अधीक्षक कार्यालय के चक्कर लगा रहे हैं इसी प्रकार का मामला सलेहा थाना क्षेत्र का सामने आया है आवेदक श्रीकांत चौरसिया निवासी गढ़ी मलहरा जिला छतरपुर ने पुलिस अधीक्षक के नाम अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्रीमती वंदना चौहान को दिए आवेदन में उल्लेख किया गया कि मैं तथा मेरी पत्नी 19 अप्रैल को ग्राम गंज शादी समारोह में आए हुए थे दिनांक 234.2026 को सुबह 8:30 बजे वापस ग्राम गढ़ी मलहरा जिला छतरपुर को ओम साइ राम बस गोस्वामी बस क्रमांक डब्35च 0389 से वापस जा रहे थे सलेहा बस स्टैंड मैं क्लीनर द्वारा हमारा ट्रॉली बैग बस की डिग्गी में रख दिया मैंने उससे कहा कि उसमें कीमती सामान है तो वह बोला कि कुछ नहीं होगा रखा रहने दो मेरी पूरी जिम्मेदारी रहेगी। इसके बाद हम लोग बस में बैठकर छतरपुर पहुंच गए छतरपुर में उतरने के बाद गढ़ी मलहरा के लिए मिनी बस में बैठ गए तथा बैग अपने पास रख लिया गढ़ी मलहरा पहुंचने पर घर के दरवाजे के पास चौन को देखा तो उसमें छेड़खानी की गई थी बैग को तुरंत खोल जिसमें रखा ज्वेलरी का सामान गायब था। बैग में डेढ़ तोला सोने का हार सवा तोला सोने की चूड़ी तथा एक पाव की लगभग चांदी की करधनी गायब थी। मैं तत्काल गाड़ी मलहरा से छतरपुर पहुंचा संबंधित बस की क्लीनर ड्राइवर तथा कंडक्टर से पूछताछ की गई लेकिन उक्त लोगों ने उल्टा अभद्रता की गई इसके बाद मैं मामले के संबंध में पुलिस चौकी छतरपुर को अवगत कराया तो उन्होंने बताया कि आप लोग सलेहा थाना में रिपोर्ट दर्ज कराए । तब मैं और मेरी पत्नी सलेहा पहुंचे तथा सलेहा थाना गए जहां पर पूरा विवरण बताया सलेहा थाना पुलिस ने कहा कि आवेदन दे दीजिए तो मेरे द्वारा लिखित में 23 अप्रैल रात्रि को आवेदन दिया पुलिस द्वारा कहा 24 अप्रैल को आ जाना 24 अप्रैल को हम लोग पहुंचे तो थाना प्रभारी नहीं मिले थाना प्रभारी जी से 26 अप्रैल को मुलाकात की तथा सारा विवरण बताया लेकिन उनके द्वारा आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज नहीं किया गया तथा कहा कि हम अभी मामला दर्ज नहीं करेंगे आवेदक का कहना है कि इस पूरे चोरी के मामले में ड्राइवर सफीक खान क्लीनर ज्ञानी चौधरी तथा बस संचालक का लड़का अनुज गोस्वामी का हाथ है इन लोगों से कड़ाई से पूछताछ की जाए तो मामला पूरी तरह से उजागर हो सकता है। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्रीमती वंदना चौहान ने कार्यवाही करने का आश्वासन दिया है आगे देखना है पीड़ित का सामान मिलता है या अपराधी एवं पुलिस मिलकर सामान गायब कर देते हैं यह अभी भविष्य के गर्त में है।

ससुराल से पत्नी और मासूम बेटी को लेकर घर आ रहे युवक की मोटर साईकिल हुई अनियंत्रित

पति पत्नी घायल, बाल बाल बची मासूम बालिका

पन्ना। कहते है जाको राखे साईयां भार सके न कोय ऐसी ही कहवात चरितार्थ हुयी है शाहनगर थाना क्षेत्रांअन्तर्गत शाहनगर बोरी मार्ग पर जहां पिकअप और मोटरसाईकिल की भिडंत में एक वर्ष की बालिका को खरोंच तक नही आयी वहीं पतिशौर पत्नी बुरी तरह चोटिल हो गये है जानकारीके मुताबिक गंगाराम चौधरी पिता क्वारे लाल चौधरी 27वर्ष अपनी धर्म पत्नी चंन्दा बाई चौधरी को रगौली ससुराल लेने गया था उसके साथ उसके साथ 1वर्ष की पृथ्वी और भाइ राहूल चौधरी मोटरसाईकिल मे आ रहे थे तभी तेज रफ्तार पिक अप ने हरवंशपुरा मोड पर टक्कर मार दी हादसे मे पति पत्नी घायल हो गये पर मासूम बालिका को खरोंच तक नहीं आयी वही देवर भी बाल बाल बच गया घायलों को 108के चालक कष्ण कुमार शर्मा ने इलाज के लिये शाहनगर समुदायिक स्शास्थ्य केन्द मे भर्ती कराया जहा बीएम ओ डॉ सर्वेश लोधी ने प्राथमिक उपचार मुहैया कराया।

भावांतर योजना में अव्यवस्था, तारीखों का खेल, खरीदी केंद्रों पर हाहाकार

देरी से खरीदी, सैटेलाइट बनाम जमीनी सत्यापन, भुगतान संकटक, किसान भटक रहा सहकारी समितियों के चक्कर में, जवाबदेही पर खड़े कड़े सवाल

पन्ना।

खरीदी की शुरुआत ही सवालों में गेहूं और चना खरीदी 26 मार्च से शुरू होनी थी, लेकिन इसे पहले 7 अप्रैल और फिर 15 अप्रैल तक टाल दिया गया। 27 अप्रैल तक भी बड़ी संख्या में किसान वेरिफिकेशन प्रक्रिया में फंसे हुए हैं। योजना कागजों में शुरू जरूर हुई, लेकिन जमीन पर उसका क्रियान्वयन अधूरा और अव्यवस्थित नजर आ रहा है।

सहकारी समितियों पर भीड़, किसान बेबस- खरीदी में देरी का सबसे बड़ा असर सहकारी समितियों (खरीदी केंद्रों) पर दिखाई दे रहा है।किसानों की भारी भीड़, अव्यवस्थित प्रबंधन और जगह की कमी ने हालात बिगाड़ दिए हैं। किसान 2 से 6 दिनों तक अपनी उपज लेकर केंद्रों पर डटे रहने को मजबूर हैंकृन ठहरने की व्यवस्था, न भोजन की समुचित सुविधा।

तुलाई में देरी, बढ़ती बेचौनी- खरीदी केंद्रों पर उपज पहुंचने के बाद भी तुलाई समय पर नहीं हो पा रही। किसान दिन-रात अपनी बारी का इंतजार करता है, जिससे मानसिक तनाव बढ़ता जा रहा है। यह देरी केवल प्रशासनिक कमजोरी नहीं, बल्कि किसान के समय और श्रम की अनदेखी है।

भुगतान अटका, कर्ज की मजबूरी- फसल बिकने के बाद भी भुगतान समय पर नहीं मिल रहा।ऐसे में किसान को घर-परिवार की जरूरतों, बच्चों की पढ़ाई और बेटियों के विवाह जैसे दायित्वों के लिए बाजार से उधार लेना पड़ रहा है।

यह स्थिति उसे धीरे-धीरे कर्ज और आर्थिक संकट की ओर धकेल रही है।

प्राकृतिक मार का खतरा बरकरार- खरीदी केंद्रों पर खुले में रखे अनाज पर मौसम का खतरा बना रहता है।बारिश, आंधी या तूफान आने पर फसल खराब हो जाती है और उसका सीधा नुकसान किसान को उठाना पड़ता है। सबसे बड़ा सवाल यही है- इस नुकसान की जिम्मेदारी कौन लेगा? सैटेलाइट बनाम जमीनी सच्चाई वेरिफिकेशन प्रक्रिया में सैटेलाइट डेटा और अधिकारियों के सत्यापन के बीच टकराव सामने आ रहा है। पटवारी और तहसीलदार द्वारा की गई गिरदावरी को सैटेलाइट डेटा चुनौती दे रहा है, जिससे भ्रम की स्थिति बन गई है।

कटाई के बाद सत्यापन पर गंभीर सवाल

जब अधिकांश फसल कट चुकी है, तब सैटेलाइट से सत्यापन करना वैज्ञानिक दृष्टि से भी संदेहास्पद है। विशेषज्ञ मानते हैं कि यह प्रक्रिया फसल खड़ी होने के समय ही अधिक सटीक हो सकती थी। अब यह सत्यापन कई मामलों में अनुमान जैसा प्रतीत हो रहा है।

अपील का अवसर भी समाप्त सबसे गंभीर पहलू यह है कि किसान के पास अब अपील करने का समय भी नहीं बचा। अंतिम समय में लिए गए निर्णयों के कारण उसे मजबूरी में गलत सत्यापन भी स्वीकार करना पड़ रहा है।

किसान का सवालरू गलती किसकी ?- आज किसान के मन में एक ही प्रश्न है यदि प्रक्रिया में देरी हुई, सत्यापन में भ्रम हुआ और भुगतान अटका, तो इस पूरी अव्यवस्था की जिम्मेदारी किसकी है? और हर बार इसका खामियाजा केवल किसान ही क्यों भुगते?

मानसिक दबाव और बढ़ता संकट- लगातार आर्थिक दबाव, कर्ज और अनिश्चितता के कारण किसान मानसिक रूप से टूट रहा है।ऐसी परिस्थितियां ग्रामीण अर्थव्यवस्था को भी प्रभावित कर रही हैं और सामाजिक असुरक्षा को बढ़ा रही हैं।

सरकार से सीधे सवाल- खरीदी में बार-बार देरी क्यों हुई? सैटेलाइट सत्यापन को सही समय पर क्यों लागू नहीं किया गया? अधिकारियों के सत्यापन को क्यों नकारा जा रहा है? खरीदी केंद्रों की अव्यवस्था और नुकसान की जिम्मेदारी कौन लेगा? मुद्दे की बात सुधार नहीं हुआ तो भरोसा टूटेगा यदि समय रहते इस व्यवस्था में सुधार नहीं किया गया, तो भावांतर जैसी योजनाएं किसानों के लिए राहत नहीं, बल्कि अविश्वास का कारण बन जाएंगी। किसान केवल योजना नहीं चाहता, वह चाहता है समय पर खरीदी, सही सत्यापन और सम्मानजनक व्यवस्था।

संघ की जन गोष्ठी में "पंच परिवर्तन" का संदेश

शताब्दी वर्ष पर समाज जागरण का आह्वान

पन्ना।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के शताब्दी वर्ष के उपलक्ष्य में 26 अप्रैल 2026 को पन्ना नगर के टाउन हॉल में प्रमुख जन गोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में शहर के प्रबुद्ध नागरिकों, समाजसेवियों और स्वयंसेवकों की बड़ी संख्या में उपस्थिति रही। मंच पर उपस्थित जिला संघचालक रुद्रप्रताप यादव एवं मुख्य वक्ता क्षेत्र सह कार्यवाह हेमन्त मुक्तिबोध ने संघ की 100 वर्षों की यात्रा और उसके सामाजिक योगदान पर विस्तार से प्रकाश डाला। वक्ताओं ने बताया कि संघ की स्थापना वर्ष 1925 में नागपुर में डॉ. केशव बलिराम हेडगेवार द्वारा की गई थी और तब से लेकर आज तक संघ ने अनेक चुनौतियों और आरोपों के बावजूद निरंतर समाज सेवा का कार्य किया है। मुख्य वक्ता हेमन्त मुक्तिबोध ने अपने उद्बोधन में "पंच परिवर्तन" की अवधारणा को विस्तार से समझाया। उन्होंने कुटुंब प्रबोधन, सामाजिक समरसता, पर्यावरण संरक्षण, स्वदेशी तथा नागरिक कर्तव्य जैसे विषयों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि इन मूल्यों के माध्यम से समाज में सकारात्मक बदलाव लाया जा सकता है। उन्होंने भारत को पुनः विश्व गुरु बनाने और समाज को संगठित करने का आह्वान करते हुए कहा कि यदि देश का प्रत्येक नागरिक ईमानदारी के साथ "पंच परिवर्तन" को अपने जीवन में उतार ले, तो भारत निश्चित ही एक शक्तिशाली, सशक्त और पुनः विश्व गुरु बनने की दिशा में अग्रसर होगा। कार्यक्रम के अंत में उपस्थित लोगों के प्रश्नों का संतोष जनक समाधान भी किया गया। इस अवसर पर डॉक्टर, इंजीनियर, वकील, समाजसेवी, मातृशक्ति सहित बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। समापन अवसर श्रीमति दिव्या शर्मा के द्वारा वंदे मातरम् गीत का गायन किया गया। कार्यक्रम का सफल संचालन व आभार प्रदर्शन डॉ. राकेश सोनी द्वारा व्यक्त किया गया। कार्यक्रम का समापन राष्ट्र निर्माण के संकल्प के साथ हुआ।

छठवां सब स्टेशन खोरा-धरमपुर क्षेत्र में स्वीकृति, बृजेंद्र प्रताप सिंह के प्रयासों से बिजली क्षेत्र में रचा जा रहा विकास का नया इतिहास

पन्ना। <

पन्ना विधानसभा में विकास कार्यों की रफ्तार लगातार नई ऊंचाइयों को छू रही है। क्षेत्र में बिजली व्यवस्था को सुदृढ़ करने और किसानों-ग्रामीणों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने की दिशा में माननीय पन्ना विधायक एवं पूर्व मंत्री बृजेंद्र प्रताप सिंह के प्रयासों से खोरा-धरमपुर क्षेत्र में 368.21 लाख रुपये की लागत से नवीन विद्युत सब स्टेशन निर्माण को स्वीकृति मिली है। यह स्वीकृति न केवल क्षेत्रवासियों के लिए बड़ी राहत है, बल्कि पन्ना विधानसभा में विद्युत क्षेत्र के विकास का एक नया अध्याय भी है।खोरा-धरमपुर क्षेत्र में लंबे समय से वोल्टेज की समस्या, ट्रिपिंग और सिंचाई के दौरान अपर्याप्त बिजली आपूर्ति जैसी परेशानियां बनी हुई थीं। नए सब स्टेशन के निर्माण से इन समस्याओं का स्थायी समाधान होगा। किसानों को बेहतर वोल्टेज मिलेगा, सिंचाई सुचारू होगी और कृषि उत्पादन को नई गति मिलेगी। वहीं ग्रामीणों को भी निर्बाध और गुणवत्तापूर्ण बिजली आपूर्ति का लाभ मिलेगा।पन्ना विधानसभा में विद्युत अधोसंरचना के विस्तार को लेकर विधायक बृजेंद्र प्रताप सिंह ने एक ऐतिहासिक और दीर्घकालिक विकास मॉडल प्रस्तुत किया है। खोरा-धरमपुर सब स्टेशन की मंजूरी के साथ अब तक पन्ना विधानसभा में 6 सब स्टेशन स्वीकृत हो चुके हैं,

जो अपने आप में विद्युत क्षेत्र में एक बड़ी उपलब्धि मानी जा रही है।इनमें लक्ष्मीपुर, टिकरिया, पहाड़ीखेड़ा, इटवांकला, बीरा और अब खोरा-धरमपुर शामिल हैं। यह केवल आंकड़ा नहीं, बल्कि पन्ना विधानसभा में विकास के व्यापक आयामों को दर्शाने वाली उपलब्धि है। एक साथ छह सब स्टेशन स्वीकृत होना ग्रामीण विद्युत ढांचे को मजबूत करने की दिशा में अभूतपूर्व कदम माना जा रहा है।इन सब स्टेशनों के माध्यम से न केवल बिजली की गुणवत्ता में सुधार हुआ है, बल्कि दूरस्थ गांवों तक मजबूत विद्युत नेटवर्क पहुंचाने की दिशा में भी उल्लेखनीय कार्य हुआ है। जिन क्षेत्रों में पहले लो-वोल्टेज और बिजली कटौती आम समस्या थी, वहां अब हालात तेजी से बदल रहे हैं।पहाड़ीखेड़ा, इटवांकला और बीरा में सब स्टेशन पहले ही संचालित होकर लाभ दे रहे हैं, जबकि लक्ष्मीपुर और टिकरिया में निर्माण कार्य प्रगति पर है। अब खोरा-धरमपुर को मिली स्वीकृति ने इस विकास श्रृंखला को और मजबूत किया है।विधानसभा के लोग इसे पन्ना विधानसभा में विद्युत क्षेत्र की दीर्घकालिक विकासगत उपलब्धि के रूप में देख रहे हैं। माना जा रहा है कि यह मॉडल आने वाले वर्षों में क्षेत्रीय विकास की आधारशिला साबित होगा। ग्रामीणों का कहना है कि यह केवल बिजली परियोजना नहीं, बल्कि किसानों की समृद्धि, ग्रामीण विकास और आत्मनिर्भरता की दिशा में बड़ा कदम है। बेहतर बिजली उपलब्ध होने से कृषि, छोटे उद्योग, शिक्षा और रोजगार के नए अवसर भी बढ़ेंगे। क्षेत्रवासियों के मुताबिक विधायक बृजेंद्र प्रताप सिंह ने पन्ना विधानसभा में विकास को केवल घोषणाओं तक सीमित नहीं रखा, बल्कि जमीन पर परिणाम देने वाले कार्य किए हैं। बिजली, सड़क, सिंचाई और अधोसंरचना के क्षेत्र में लगातार हो रहे कार्य इसका प्रमाण हैं। खोरा-धरमपुर सब स्टेशन की स्वीकृति और 6 सब स्टेशनों का रिकॉर्ड पन्ना विधानसभा में विकास की उस सोच को दर्शाता है, जिसमें दूरदृष्टि, प्रतिबद्धता और परिणाम तीनों दिखाई देते हैं। क्षेत्र में इसे "विद्युत क्रांति" की दिशा में बड़ा कदम माना जा रहा है।पन्ना विधानसभा में विकास की यह रफ्तार बताती है कि बृजेंद्र प्रताप सिंह के नेतृत्व में क्षेत्र केवल बदल नहीं रहा, बल्कि विकास के नए मानक गढ़ रहा है।

खबर संक्षेप

प्रतिबंध के बावजूद बोर करने वाली मशीन जप्त

बमीठा। जिले में नलकूप खनन पर प्रतिबंध के बावजूद अवैध रूप से बोरिंग करने वालों के खिलाफ प्रशासन ने सख्त कार्रवाई की है। राजनगर एसडीएम विशा माधवानी और नायब तहसीलदार नीरज कलसिया ने रात के समय दबिश देकर एक अवैध बोरिंग मशीन को जब्त किया है। जानकारी के अनुसार, बमीठा में खेल मैदान के पास एक निजी प्लॉट पर चोरी-छिपे बोर का काम किया जा रहा था। ग्रामीणों की सूचना पर प्रशासनिक टीम ने मौके पर पहुँचकर मशीन को कब्जे में ले लिया। जब्त की गई बोरिंग मशीन को बमीठा थाना की निगरानी में रखा गया है और दोषियों के विरुद्ध वैधानिक कार्रवाई शुरू कर दी गई है।

ठेले पर गाय लेकर तहसील पहुंचे गौसेवक, राष्ट्रपति को भेजा ज्ञापन

छतरपुर। गौ सम्मान आवाहन अभियान के अंतर्गत छतरपुर में गौसेवकों ने एक अनूठा प्रदर्शन कर शासन का ध्यान आकर्षित किया। सोमवार को बड़ी संख्या में गौसेवक एक गाय को ठेले पर बैठाकर तहसील कार्यालय पहुंचे। यहां उन्होंने राष्ट्रपति के नाम तहसीलदार को ज्ञापन सौंपकर गोवंश को राष्ट्रमाता एवं राष्ट्र आराध्या का संवैधानिक दर्जा देने की मांग की। गौसेवकों का कहना है कि गोवंश भारतीय संस्कृति का आधार है, इसलिए इसे केवल पशु न मानकर संवैधानिक रूप से राष्ट्रमाता घोषित किया जाना चाहिए। इस दौरान बड़ी संख्या में अभियान से जुड़े कार्यकर्ता मौजूद रहे, जिन्होंने गौ संरक्षण और संवर्धन के लिए सख्त कानून बनाने की भी अपील की।

एसपी ने पिपट थाने के प्रधान आरक्षक ज्ञान सिंह को किया निलंबित, थाना प्रभारी की विभागीय जांच एएसपी को सौंपी

पत्रकार की पिटाई एवं फर्जी मामला दर्ज करने के मामले को लेकर पत्रकारों ने कलेक्ट्रेट एवं एसपी ऑफिस का किया घेराव, हाईवे में लगाया जाम

छतरपुर। पिछले कुछ दिनों से पत्रकार उत्पीडऩ की घटनाएं लगातार बढ रही है। पत्रकार राकेश रिछारिया पर सिविल लाईन थाने में मामला दर्ज होने के बाद पत्रकारों द्वारा एसपी को ज्ञापन दिया गया और ज्ञापन उपरांत एसपी ने जांच कराने का आश्वासन इस शर्त पर दिया कि आपके पास जो साक्ष्य के तौर पर बीडियो है वह उपलब्ध करा दें। अभी यह मामला पूरी तरह से निपटा भी नहीं था कि बिजावर के पत्रकार राकेश सिंह राय की पिपट शराब ठेके के सामने जमकर मारपीट कर दी गई और उल्टा राकेश सिंह राय पर मामला भी दर्ज कर दिया गया। पत्रकार उत्पीडऩ की इस दूसरी घटना ने पत्रकार संगठनो में उबाल ला दिया। इस घटना को लेकर पत्रकार संगठन एकजुट हुए और निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार सोमवार को दोपहर 12 बजे सभी पत्रकार साथी हाथों में तख्तिया लिए हुए पैदल कूच किया। सबसे पहले पत्रकार एसपी कार्यालय पहुंचे और वहाँ जमकर नारेबाजी करते हुए पिपट पुलिस की कार्यवाही की आलोचना की, लेकिन 15-20 मिनट तक जब पुलिस अधीक्षक ने अपने चैम्बर से बाहर निकलकर ज्ञापन नही लिया तो पत्रकार आग बबूला हो गए। और वहां से नारेबाजी करते हुए कलेक्ट्रेट पहुंचे। पत्रकार इस दौरान सांकेतिक अर्थी

लिए हुए थे कलेक्ट्रेट पहुंचकर भी पत्रकारों ने नारेबाजी की। इसी बीच कलेक्टर पार्थ जैसवाल को टी.एल मीटिंग में सूचना दी गई तो वह मीटिंग छोड़कर कलेक्ट्रेट आए और पत्रकारों का ज्ञापन लेकर उन्हें आश्वासन दिया कि आपकी मांगों का ज्ञापन ऊपर तक भेज दिया जाएगा। कलेक्टर को ज्ञापन देने के बाद पत्रकार पुनः बापिस एसपी कार्यालय आए और जैसे ही पत्रकारों को इस बात की जानकारी लगी कि शराब ठेकेदार एसपी को ज्ञापन देने आए है यह सुनते ही कुछ पत्रकारों का आक्रोश आपे से बाहर हो गया और शांतिपूर्ण प्रदर्शन की जगह पत्रकारों को नेशनल हाइवे में कुछ समय के लिए जाम करना पड़ा। भीषण दोपहर की गर्मी में भी पत्रकार सड़क पर डटे रहे बाद में पुलिस अधीक्षक अगम जैन अपने चेम्बर से बाहर आए और उन्होने पत्रकारों का ज्ञापन लेकर मौखिक रूप से घोषणा करते हुए कहा कि राकेश सिंह की पिटाई और मामला दर्ज करने के मामले मे पिपट थाने के प्रधान आरक्षक ज्ञान सिंह को निलंबित किया जाता है और थाना प्रभारी की विभागीय जांच कराने के निर्देश लिखित में एडिशनल एसपी को दिए। इस आश्वासन के बाद पत्रकारों ने अपना प्रदर्शन खत्म किया।

7 दिवस में एडीशनल एसपी करेंगे मामले की जांच -

पुलिस अधीक्षक अगम जैन ने अपने पत्र क्रमांक-पुअ/छतरपुर/स्टेनों/सीधे/शिपु/10/2026 दिनांक 25.04.2026 द्वारा आदेश जारी कर इस पूरे मामले की जांच एडीशनल एसपी आदित्य पटले को सौंपी है। हालांकि यह आदेश सोमवार को ही सोशल मीडिया में बायरल हुआ है लेकिन आदेश जारी होने की तारीख 25 अप्रैल है। आदेश में एसपी ने मुख्य रूप से थाना पिपट में घटना की सही तरीके से रिपोर्ट लेख नही करने मुख्य आरोंपियों के नाम हटाकर बीच बचाव करने बाले व्यक्ति को आरोपी बनाने एवं अन्य को अज्ञात दर्शाने संबंधी तथ्य लेख किए गए है। इस आदेश में एसपी ने निर्देश दिए है कि शिकायत पत्र में वर्णित तथ्यों के संबंध में विधिवत जांच कर तथ्ययात्मक जांच प्रतिवेदन सभी दस्तावेंजो के साथ 7 दिवस में एडीशनल एसपी से मांगा है।

बीमारी से तंग आकर बुजुर्ग तालाब में लगाई छलांग

एसडीईआरएफ की टीम को 4 घंटे बाद मिला शव

छतरपुर। कोतवाली थाना क्षेत्र में एक 67 वर्षीय बीमार व्यक्ति द्वारा बीमारी से तंग आकर तालाब में छलांग लगाए जाने का मामला सामने आया है। व्यक्ति के तालाब में कूदने के करीब 4 घंटे बाद एसडीईआरएफ की टीम को उसका शव मिला, जिसे बाहर निकालकर पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल भेजा गया। प्राप्त जानकारी के मुताबिक फौलादी कलम मार्ग निवासी प्रभु प्रकाश खरे उम्र 67 वर्ष सोमवार की सुबह करीब 7 बजे बिना किसी को बताए घर से निकल गए थे। उनके बेटे राहुल खरे ने जानकारी देते हुए बताया कि परिवार को उनके बाहर जाने की कोई पूर्व जानकारी नहीं थी। कुछ समय बाद किशोर सागर तालाब के अंदर सीढ़ियों के पास उनकी छड़ी और चप्पल मिली, जिसकी पहचान परिजनों ने की है। छड़ी पर उनका नाम, मोबाइल

नंबर और पता भी लिखा हुआ था, जिससे उनकी पहचान सुनिश्चित हो सकी। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू की, साथ ही एसडीईआरएफ की टीम को भी बुलाया गया, जो तालाब में व्यक्ति की तलाश में जुट गई। करीब 4 घंटे बाद प्रभु प्रकाश का शव तालाब से बरामद हुआ, जिसे बाहर निकालकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया। सीएसपी अरुण कुमार सोनी ने बताया कि पुलिस को एक सुसाईड नोट मिला है, जिसमें बीमारी से तंग आकर आत्मघाती कदम उठाने का उल्लेख है। फिलहाल पुलिस सुसाइड नोट सहित मामले के अन्य पहलुओं की जांच कर रही है।

अज्ञात वाहन की टक्कर से घायल वृद्ध की मौत

छतरपुर। किशनगढ़ थाना क्षेत्र अंतर्गत किशनगढ़-अमानगंज मार्ग पर हुए एक सड़क हादसे में घायल 60 वर्षीय वृद्ध की इलाज के दौरान मौत हो गई। घटना कल सुबह की है, जब वृद्ध सड़क पार कर रहे थे और एक अज्ञात वाहन उन्हें टक्कर मारकर फरार हो गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्राम झरकुआं निवासी भुमानीदीन पाल उम्र 60 वर्ष बीते रोज सुबह करीब 6 बजे शौच के लिए गए थे। जब वे घर वापस लौट रहे थे, तभी अमानगंज रोड पर एक तेज रफ्तार अज्ञात वाहन ने उन्हें जोरदार टक्कर मार दी। घायल अवस्था में उन्हें तत्काल किशनगढ़ अस्पताल ले जाया गया, जहाँ प्राथमिक उपचार के बाद डॉक्टरों ने उन्हें जिला अस्पताल

रेफर कर दिया। परिजनों ने कल दोपहर करीब 1 बजे उन्हें जिला अस्पताल में भर्ती कराया था, लेकिन उपचार के दौरान आज सुबह 11 बजे उनकी सांसें थम गईं। पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम कराकर मर्ग कायम कर लिया है और अज्ञात वाहन की तलाश शुरू कर दी है। इस घटना से मृतक के परिवार में मातम छा गया है।

शादी के सीजन में ठप पड़े एटीएम, कैश के लिए भटक रहे लोग

छतरपुर। शहर में इन दिनों एटीएम सेवाओं के चरमराने से आम नागरिकों को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। एक तरफ जहां शादी-विवाह का सीजन अपने चरम पर है और लोगों को नकदी की सख्त जरूरत है, वहीं दूसरी ओर शहर के अधिकांश एटीएम या तो तकनीकी खराबी के कारण बंद हैं या उनमें कैश ही उपलब्ध नहीं है। बैंक प्रबंधन की इस लापरवाही का खामियाजा उन लोगों को भुगतना पड़ रहा है जिन्हें इमरजेंसी में पैसों की आवश्यकता है। शादी-विवाह की खरीदारी के लिए बड़ी संख्या में लोग एटीएम पहुँच रहे हैं, लेकिन वहां से उन्हें खाली हाथ ही वापस लौटना पड़ रहा है। स्थिति इतनी विकट है कि अस्पताल में भर्ती मरीजों के परिजन भी दवाइयों और अन्य खर्चों के लिए नकदी जुटाने के चक्कर में एक एटीएम से दूसरे एटीएम के चक्कर काटने को मजबूर हैं। शहर के मुख्य बाजारों और रिहायशी इलाकों में लगे एटीएम के शटर गिरे होने या स्क्रीन पर 'आउट ऑफ सर्विस' का बोर्ड लटके होने के कारण लोगों में भारी आक्रोश देखा जा रहा है। उपभोक्ताओं का आरोप है कि जिम्मेदार विभाग और बैंक प्रबंधन इस गंभीर समस्या से पूरी तरह बेखबर बने हुए हैं। बार-बार की शिकायतों के बावजूद मशीनों के रखरखाव और कैश फीडिंग की व्यवस्था में कोई सुधार नहीं किया जा रहा है। लोगों का कहना है कि डिजिटल पेमेंट के बढ़ते दौर में भी छोटे खर्चों और ग्रामीण क्षेत्रों के लेन-देन के लिए नकदी अनिवार्य है। यदि बैंक प्रबंधन ने जल्द ही एटीएम व्यवस्था को दुरुस्त नहीं किया, तो आगामी दिनों में आम जनता का गुस्सा सड़कों पर भी देखने को मिल सकता है। इस संबंध में जानकारी हासिल करने के लिए बैंक के अधिकारियों से बात करने का प्रयास किया गया लेकिन उन्होंने फोन उठाना ही उचित नहीं समझा।

खाद-बीज व कीटनाशक व्यापारियों का एकदिवसीय बंद, तहसीलदार को सौंपा ज्ञापन

छतरपुर। कृषि आदान (खाद, बीज एवं कीटनाशक) से जुड़े बकस्वाहा के व्यापारियों ने सोमवार को अपनी विभिन्न मांगों को लेकर एकजुटता दिखाते हुए एकदिवसीय सांकेतिक बंद रखा। इस दौरान सीड्स, पेस्टीसाइड्स एण्ड फर्टिलाइजर्स डीलर एसोसियेशन के बकस्वाहा ब्लॉक पदाधिकारियों ने तहसीलदार भरत पांडे को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नाम ज्ञापन सौंपा। बकस्वाहा ब्लॉक के पदाधिकारी काशी राम पटेल, लेख राम पटेल एवं पं. हिमांशु बिल्थरे ने जानकारी देते हुए बताया कि यह बंद राष्ट्रीय स्तर पर ऑल इंडिया एग्री इनपुट डीलर एसोसिएशन के आह्वान पर किया गया है। देशभर के खाद, बीज एवं कीटनाशक व्यापारी अपनी लंबित समस्याओं के निराकरण की मांग को लेकर एकजुट हुए हैं। उन्होंने बताया कि लंबे समय से सरकार के समक्ष समस्याएं रखी जा रही हैं, लेकिन अब तक कोई ठोस समाधान नहीं निकल सका है, जिससे व्यापारियों में असंतोष बढ़ रहा है। इसी के विरोध में सांकेतिक हड़ताल कर प्रशासन को ज्ञापन सौंपा गया है। बकस्वाहा ब्लॉक के पदाधिकारियों के अनुसार उर्वरकों पर डीलर मार्जिन बढ़ाकर न्यूनतम 8 प्रतिशत किए जाने, उर्वरकों की आपूर्ति रिटेलर के गोदाम तक सुनिश्चित करने, बीज व कीटनाशक के सैंपल फेल होने पर निर्माता कंपनियों पर कार्रवाई करने, 'साथी पोर्टल' की बीज विक्रय योजना को सीमित रखने, कंपनियों द्वारा उत्पादों की जबरन टैगिंग पर रोक लगाने तथा ई-टोकन प्रणाली में सुधार जैसे मुद्दे प्रमुख रूप से शामिल हैं।

एक माह में समाधान नहीं तो उग्र आंदोलन

काशी राम पटेल, लेख राम पटेल एवं पं. हिमांशु बिल्थरे ने बताया कि यदि एक माह के भीतर इन समस्याओं का निराकरण नहीं किया गया, तो आगामी खरीफ सीजन से पहले अनिश्चितकालीन हड़ताल की घोषणा की जाएगी।

जल गंगा संवर्धन अभियान अंतर्गत निर्धारित विभागीय लक्ष्य समय पर पूरे करें : कलेक्टर

नामांतरण, बंटवारा, सीमांकन के प्रकरणों का शत-प्रतिशत निराकरण करने के निर्देश

सिंगरौली। जल गंगा संवर्धन अभियान अंतर्गत निर्धारित विभागीय लक्ष्यों को समय पर पूरा करें तथा समस्त राजस्व अधिकारी अपने-अपने क्षेत्रांतर्गत नामांतरण, बंटवारा तथा सीमांकन के प्रकरणों का शत-प्रतिशत निराकरण कर पालन प्रतिवेदन देना सुनिश्चित करें। उक्त आशय के निर्देश कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित समय-सीमा बैठक के दौरान कलेक्टर श्री गौरव बैनल द्वारा संबंधित अधिकारियों को दिए गए।

कलेक्टर ने जल गंगा संवर्धन अभियान अंतर्गत किए जा रहे कार्यों की प्रगति की समीक्षा करते हुए निर्देश दिए कि सभी विभाग अभियान अंतर्गत अपने निर्धारित लक्ष्यों को समय पर पूर्ण करें तथा अभियान का व्यापक स्तर पर अपने-अपने क्षेत्रों में प्रचार-प्रसार भी कराना सुनिश्चित करें। जनभागीदारी के माध्यम से अभियान को सफल बनाएं एवं अभियान के कार्यक्रमों में जनप्रतिनिधियों को भी शामिल करें। उन्होंने राजस्व अधिकारियों को निर्देश दिए कि अभियान के दौरान निर्मित सरोवरों को राजस्व अभिलेख में अनिवार्य रूप से दर्ज करें।कलेक्टर ने राजस्व प्रकरणों की समीक्षा करते हुए समस्त उपखंड अधिकारियों को निर्देश दिए कि लंबित नामांतरण, बंटवारा एवं सीमांकन के प्रकरणों का शत-प्रतिशत निराकरण करें तथा अपने स्तर से राजस्व अमले की बैठक आयोजित कर प्रकरणों के निराकरण की समीक्षा करें। उन्होंने गेहूं उपार्जन की समीक्षा करते हुए निर्देश दिए कि सभी उपार्जन केंद्रों पर सुव्यवस्थित व्यवस्थाओं के साथ किसानों से खरीदी करें तथा सभी केंद्रों में पेयजल एवं छाया की उचित व्यवस्था उपलब्ध रहे।

उन्होंने स्वास्थ्य विभाग की समीक्षा करते हुए मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी को निर्देश दिए कि जिला चिकित्सालय के साथ-साथ सभी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों में भी ओपीडी का संचालन समयानुसार हो, इसकी मॉनिटरिंग करें। उन्होंने सिविल सर्जन को निर्देश दिए कि जिला चिकित्सालय में मेडिकल कॉलेज के हड्डी रोग विशेषज्ञ के समन्वय से ऑर्थोपेडिक से संबंधित प्रकरण एवं ऑपरेशन सुचारू रूप से संचालित किए जाएं। ऑपरेशन संबंधित सभी प्रकार के इम्प्लांट की उपलब्धता बनाए रखें।कलेक्टर ने भारत की जनगणना 2027 की तैयारियों की समीक्षा करते हुए निर्देश दिए कि 1 मई से शुरू हो रही भवन गणना की सभी आवश्यक तैयारियां पूर्ण कर लें। जन-जागरूकता हेतु लगातार अपने-अपने क्षेत्रों में चार्ज अधिकारी आईईसी गतिविधियों का संचालन सुनिश्चित करें, ताकि आम नागरिकों का जनगणना के दौरान सहयोग मिल सके।कलेक्टर ने जिला आपूर्ति अधिकारी को निर्देश दिए कि प्रतिदिन कम

से कम 4 उचित मूल्य दुकानों का निरीक्षण कर साप्ताहिक पालन प्रतिवेदन प्रस्तुत करें। निर्धारित समय पर उचित मूल्य की दुकानें संचालित हों तथा हितग्राहियों को उनकी पात्रता अनुसार खाद्यान्न का वितरण सुनिश्चित करें। कलेक्टर ने महिला एवं बाल विकास अधिकारी को निर्देश दिए कि अत्यधिक गर्मी को देखते हुए आंगनवाड़ी केंद्रों के संचालन समय में जो भी परिवर्तन किया गया है, उसी के अनुसार केंद्रों का संचालन कराया जाए। धात्री एवं गर्भवती महिलाओं के साथ-साथ बच्चों को पोषण आहार का वितरण कराया जाना सुनिश्चित करें। साथ ही यह सुनिश्चित करें कि बच्चों को दिए जाने वाला नाश्ता नवीन निर्धारित समय पर उपलब्ध हो।कलेक्टर ने सीएम हेल्पलाइन में दर्ज शिकायतों के निराकरण की जानकारी लेने के पश्चात निर्देश दिए कि कई विभागों द्वारा 50 दिवस की शिकायतों का निराकरण नहीं किया गया है, जो अत्यंत खेदजनक है। इसके अलावा कुछ अधिकारियों द्वारा शिकायतों को अटेंड भी नहीं किया गया है। कलेक्टर ने नाराजगी व्यक्त करते हुए निर्देश दिए कि ऐसे विभागों को चिन्हित कर संबंधित विभागीय अधिकारियों को कारण बताओ नोटिस जारी किया जाए।

उन्होंने 100 दिवस, 300 दिवस की लंबित शिकायतों सहित जनसुनवाई में प्राप्त आवेदन-पत्रों का प्राथमिकता के आधार पर निराकरण करने के निर्देश दिए। बैठक के दौरान सीएस मीटिंग के निर्धारित एजेंडा बिंदुओं पर कार्य करने हेतु विभागीय अधिकारियों को अपने विभाग से संबंधित बिंदुओं पर कार्रवाई कर एक दिवस के भीतर पालन प्रतिवेदन प्रस्तुत करने हेतु निर्देशित किया गया।बैठक के दौरान अपर कलेक्टर पी.एस. त्रिपाठी, संयुक्त कलेक्टर संजीव पाण्डेय, अखिलेश सिंह, एसडीएम सुरेश जाधव, नगर निगम आयुक्त सविता प्रधान, तहसीलदार ऋषि नारायण सिंह, जान्हवी शुक्ला सहित जिला अधिकारी उपस्थित रहे।

एनटीपीसी विंध्याचल को "एनवायरनमेंट एक्सीलेंस 2026 "अवॉर्ड से किया गया सम्मानित

सिंगरौली। एनटीपीसी विंध्याचल को गोवा में आयोजित एक भव्य समारोह में मिशन एनर्जी फाउंडेशन द्वारा "पर्यावरण उत्कृष्टता 2026 – वर्ष का सर्वश्रेष्ठ केंद्रीय क्षेत्र कोयला आधारित विद्युत संयंत्र" के प्रतिष्ठित सम्मान से सम्मानित किया गया। यह सम्मान पर्यावरण संरक्षण, सतत संचालन और आधुनिक हरित तकनीकों को अपनाने में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए दिया गया। यह उपलब्धि एनटीपीसी लिमिटेड की विंध्याचल इकाई की पर्यावरण के प्रति मजबूत प्रतिबद्धता और जिम्मेदारी को दर्शाती है। थर्मल पावर उत्पादन के क्षेत्र में रहते हुए भी विंध्याचल ने पर्यावरण संतुलन बनाए रखने के लिए कई प्रभावी कदम उठाए हैं। इस अवसर पर संजय प्रकाश यादव, अपर महाप्रबंधक(ईएमजी) ने स्टेशन की ओर से यह पुरस्कार प्राप्त किया। यह सम्मान एनटीपीसी विंध्याचल के लिए एक और गौरवपूर्ण उपलब्धि है, जो उसके उत्कृष्ट संचालन और पर्यावरणीय जिम्मेदारी की दिशा में निरंतर प्रयासों को दर्शाता है।

मेयर इन काउंसिल की बैठक में विकास प्रस्तावों पर लगी मुहर

महापौर के अध्यक्षता में मेयर इंन काउंसिल की बैठक आयोजित

सिंगरौली। नगर पालिक निगम सिंगरौली की महापौर श्रीमती रानी अग्रवाल की अध्यक्षता में आज मेयर इन काउंसिल की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में शहर के विकास कार्यों को लेकर कई अहम निर्णय लिए गए। बैठक में मेयर इन काउंसिल के सदस्य खुर्शिद आलम, अंजना शाह, शिवकुमारी कुशवाहा, श्यामला, रीता देवी, रूकमन प्रजापति, शशि पुष्पराज सिंह, शत्रुघ्न लाल शाह सहित नगर निगम आयुक्त श्रीमती सविता प्रधान, उपायुक्त आर.पी. बैस और कार्यपालन यंत्री संतोष पाण्डेय ,उपायुक्त वित्त अनुपम द्विवेदीउपस्थित रहे। बैठक की शुरुआत में पूर्व बैठक की कार्यवाही की सर्वसम्मति से पुष्टि की गई।तत्पश्चात मुख्यमंत्री शहरी अधोसंरचना विकास योजना अंतर्गत नवीन परिषद हॉल का निर्माण में आ रही तकनीकी कारणों से इस हॉल के निर्माण स्थल में परिवर्तन की स्वीकृति प्रदान

की गई है। पूर्व में इसके लिए विकास भवन के पीछे का स्थान निर्धारित किया गया था, किंतु परीक्षण के दौरान वहां पाइपलाइन की उपस्थिति और पार्किंग स्थल के अभाव की समस्या सामने आई। इसके समाधान हेतु अब परिषद हॉल का निर्माण सिविक सेंटर के लेआउट में टाउन हॉल के पीछे भविष्य के लिए आरक्षित भूमि पर कराये जाने हेतु बैठक में सर्व सम्मति से स्वीकृती प्रदान की गई। तत्पश्चात वार्ड क्रमांक 31 स्थित हर्रई पूर्व के हरिहर तालाब और गायत्री मंदिर हर्रई पश्चिम स्थित तालाब के सौंदर्यीकरण कार्य को भी एम.आई.सी. द्वारा सर्व सम्मति से स्वीकृती प्रदान की गई।बैठक के दौरान सहायक यंत्री प्रवीण गोस्वामी, सहायक विधि अधिकारी अक्षत उपाध्याय सहित विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे।

खबर संक्षेप

उप मुख्यमंत्री ने थल सेना अध्यक्ष का रीवा एयरपोर्ट में किया स्वागत

रीवा। भारतीय थल सेना अध्यक्ष जनरल उपेन्द्र द्विवेदी वायुसेना के विशेष विमान से रीवा एयरपोर्ट पहुंचे। एयरपोर्ट में उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने थल सेना अध्यक्ष का पुष्पगुच्छ भेंटकर आत्मीय स्वागत किया।

उप मुख्यमंत्री ने व्यवस्थाओं का किया निरीक्षण

रीवा। उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने गत रात्रि बसामन मामा गौवंश वन्य विहार के रेस्ट हाउस में रात्रि विश्राम किया। उप मुख्यमंत्री ने सुबह भ्रमण के दौरान गौवंश वन्य विहार की व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया तथा संबंधित अधिकारियों व व्यवस्थापकों को व्यवस्थाओं को और सुदृढ़ व व्यवस्थित करने के निर्देश दिये। उन्होंने प्राकृतिक खेती सहित गौवंश के लिये भूसा-चारा आदि की व्यवस्था के संबंध में पूंछताछ की। इस दौरान पूर्व उप संचालक पशुपालन विभाग डॉ. राजेश मिश्रा सहित व्यवस्थों से संबंधित जन उपस्थित रहे।

संभाग के सभी थानों में 28 अप्रैल को लगेगी जन चौपाल

रीवा। पुलिस और जनता के बीच की दूरी को कम करने और अपराध मुक्त समाज की स्थापना के उद्देश्य से रीवा रेंज के पुलिस महानिरीक्षक गौरव राजपूत के नेतृत्व में एक विशेष पहल जन चौपाल आपकी पुलिस आपके द्वार का आयोजन किया जा रहा है।यह कार्यक्रम 28 अप्रैल 2026 को समय 4:00 बजे से 6:00 बजे तक रीवा संभाग के रीवा, मऊगंज, सीधी, सतना, मैहर जिले के सभी थाना और चौकियों में एक साथ आयोजित किया जाएगा।*जन चौपाल के प्रमुख उद्देश्य एवं चर्चा के बिंदु*आईजी गौरव राजपूत के निर्देशन में आयोजित इस जन चौपाल में पुलिस अधिकारी सीधे जनता से संवाद करेंगे। संवाद के मुख्य बिंदु अवैध मादक पदार्थों की बिक्री, विशेषकर कोरेक्स एवं अन्य प्रतिबंधित नशीली दवाओं के व्यापार पर पूर्ण अंकुश लगाने हेतु जनता से सहयोग की अपील और जानकारी प्राप्त करना।डिजिटल युग में बढ़ते साइबर फ्रॉड के प्रति लोगों को जागरूक करना, ठगी से बचने के उपाय बताना और संदिग्ध गतिविधियों की रिपोर्टिंग के बारे में शिक्षित करना।महिलाओं के खिलाफ होने वाले अत्याचारों, उत्पीड़न और घरेलू हिंसा पर विस्तार से चर्चा की जाएगी। महिलाओं को उनकी सुरक्षा हेतु बने कानूनों और 'हेल्पलाइन नंबर्स की जानकारी दी जाएगी ताकि वे निडर होकर अपनी बात रख सकें।स्थानीय स्तर पर लंबित शिकायतों और थाना स्तरीय समस्याओं का मौके पर ही त्वरित निराकरण करने का प्रयास किया जाएगा।*आईजी गौरव राजपूत की आम जनता से अपील*रीवा रेंज के आईजी गौरव राजपूत ने संभाग की समस्त जनता से अपील की है कि वे अधिक से अधिक संख्या में अपने संबंधित थानों और चौकियों में पहुँचें।उन्होंने कहा यह पहल जनता को पुलिस के और करीब लाने के लिए है।हम चाहते हैं कि नागरिक अपनी समस्याएँ बिना किसी झिझक के हमारे साथ साझा करें, ताकि हम एक सुरक्षित और अपराध मुक्त संभाग का निर्माण कर सकें।इस कार्यक्रम के माध्यम से पुलिस प्रशासन का लक्ष्य न केवल अपराधों पर नियंत्रण पाना है, बल्कि सामुदायिक पुलिसिंग को सुदृढ़ करना भी है।

मुख्य सचिव 29 अप्रैल को करेंगे समीक्षा

रीवा। मुख्य सचिव अनुराग जैन 29 अप्रैल को दोपहर 12 बजे से भोपाल से वीडियो कान्फ्रेंसिंग के माध्यम से जिलों की समीक्षा करेंगे। बैठक में कानून व्यवस्था, सुशासन, राजस्व, स्वास्थ्य, पंचायत एवं ग्रामीण विकास, जनजातीय कार्य, शिक्षा, खाद्य, सहकारिता, महिला एवं बाल विकास विभाग, किसान कल्याण तथा कृषि विकास विभाग सहित अन्य विभागों के कार्यों की समीक्षा करेंगे।

श्याम शाह मेडिकल कॉलेज सभागार में ली समीक्षा बैठक

जिले में बिगड़ी स्वास्थ्य व्यवस्था सुधारने पहुंचे एसीएस, अस्पताल का किया निरीक्षण

रीवा।

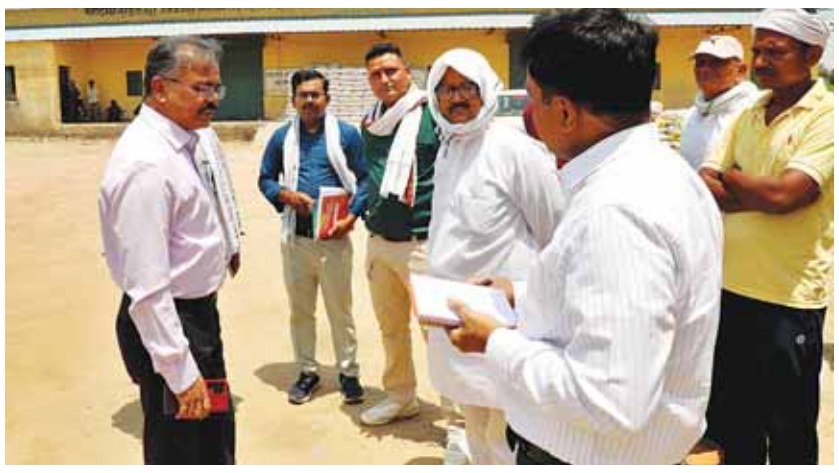

अपर मुख्य सचिव स्वास्थ्य अशोक वर्णवाल ने मेडिकल कालेज सभागार में आयोजित बैठक में मेडिकल कालेज के कार्यों की गहन समीक्षा की। अपर मुख्य सचिव ने कहा कि मेडिकल कालेज के सभी विभागाध्यक्ष अपने विभाग के कार्यों तथा उपचार व्यवस्था की नियमित समीक्षा करें। समीक्षा के बाद व्यवस्थाओं को बेहतर करने के प्रयास करें। अपने विभाग को बेहतर करने के लिए रिसर्च वर्क को प्राथमिकता दें। विद्यार्थियों से मौलिक रिसर्च कराकर रिसर्च पेपर राष्ट्रीय और अन्तर्राष्ट्रीय मेडिकल चैनलों में प्रकाशित कराएं। रिसर्च पेपर का प्रकाशन अपेक्षा के अनुसार नहीं है। विभाग की नियमित समीक्षा से ही दक्षता और कार्यकुशलता में वृद्धि होगी। अपर मुख्य सचिव ने कहा कि मेडिकल कालेज में कई बार रोगी जटिल परिस्थितियों में रेफर होकर आता है। ऐसे में कई बार उनको मौत के मुंह में जाने से हम नहीं बचा पाते। प्रसूति विभाग और शिशु रोग विभाग में होने वाली मौतों की निर्धारित प्रोटोकाल के अनुसार आडिट कराएं। विभागाध्यक्ष मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी से समन्वय बनाकर आडिट में उजागर हुई कमियों को दूर कराएं जिससे मौत की घटनाओं को प्रभावी रूप से रोका जा सके। मेडिकल कालेज में उपचार सुविधाओं के विस्तार के लिए सही तथ्यों के साथ कार्ययोजना बनाएं। इसमें मशीनों, भवन, नर्सिंग स्टाफ तथा अन्य आवश्यक मानव संसाधनों का उल्लेख करें। वर्तमान में मेडिकल कालेज और उससे जुड़े अस्पतालों में 1550 बेड में भर्ती की सुविधा है। इनके अनुपात में नर्सों की भर्ती करें।अपर मुख्य सचिव ने कहा कि उपचार व्यवस्था पहले से बहुत बेहतर हो गई है। सुपर स्पेशलिटी हास्पिटल में उत्कृष्ट कार्य हो रहा है। इसके कॉर्डियोलॉजी विभाग का कार्य बहुत अच्छा है। इस अस्पताल को होने वाली आय को उपचार सुविधाओं को बेहतर करने में खर्च करें। दानदाताओं, डीएमएफ मद तथा निजी कंपनियों के सीएसआर मद से भी राशि प्राप्त कर आवश्यक उपकरणों की खरीद करें। प्रसूति विभाग में 42794 रोगियों को भर्ती किया गया। इनमें से 30 प्रतिशत से अधिक का मेजर आपरेशन होना चिंताजनक है। पीडियाट्रिक विभाग में भी शिशुओं की भर्ती का डेटा सही नहीं प्रतीत होता है। सभी विभागाध्यक्ष अपने विभाग की जानकारी और डेटा भी ठीक से भरवाएं।अपर मुख्य सचिव ने कहा कि मेडिकल कालेज से किसी भी रोगी को रेफर न करना पड़े, ऐसी व्यवस्था करें। सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र और जिला अस्पताल में भी उपचार व्यवस्थाएं बेहतर करें जिससे रेफरल कम से कम हो। उपचार के साथ-साथ मेडिकल कालेज से जुड़े अस्पतालों में विभिन्न रोगों की जांचों की सुविधा भी बढ़ी है। लेकिन डॉक्टर उपचार करते समय आवश्यक जाँचें ही लिखें। अपर मुख्य सचिव ने खराब मशीनों के तत्काल सुधार के निर्देश दिए। बैठक में मेडिकल कालेज के डीन डॉ. सुनील अग्रवाल ने बताया कि मेडिकल कालेज रीवा में वर्तमान में उपलब्ध 150 सीटों को 250 तक बढ़ाने का प्रस्ताव तैयार किया गया है। डेंटल कालेज की स्थापना, कैंसर यूनिट के लिए नए पदों में भर्ती तथा सुपर स्पेशलिटी अस्पताल के विस्तार का भी कार्य किया जा रहा है। मेडिकल कालेज से जुड़े अस्पतालों में मेंटीनेंस तथा सिविल वर्क के लिए बजट एवं स्टाफ की आवश्यकता है। खराब मशीनों के सुधार के लिए आवश्यक राशि की मांग की गई है। बैठक में रीवा संभाग के कमिश्नर बीएस जामोद, सुपर स्पेशलिटी अस्पताल के अधीक्षक डॉ. अक्षय श्रीवास्तव, अधीक्षक संजय गांधी हास्पिटल डॉ. राहुल मिश्रा, क्षेत्रीय संचालक स्वास्थ्य डॉ. एसबी अवधिया, सीएमएचओ डॉ. यत्नेश त्रिपाठी तथा मेडिकल कालेज के विभिन्न विभागों के विभागाध्यक्ष एवं निर्माण कार्यों से जुड़े अधिकारी उपस्थित रहे।सुपर स्पेशलिटी, जिला अस्पताल सहित ग्रामीण अंचल के स्वास्थ्य केन्द्रों का किया निरीक्षणस्वास्थ्य व्यवस्था को और सुदृढ़ करने के दिये निर्देशअतिरिक्त मुख्य सचिव लोक स्वास्थ्य अशोक वर्णवाल ने अपने रीवा जिले के प्रवास के दौरान सुपर स्पेशलिटी अस्पताल, कुशाभाऊ ठाकरे जिला अस्पताल सहित ग्रामीण अंचल के स्वास्थ्य केन्द्रों का निरीक्षण किया तथा स्वास्थ्य सुविधाओं को और बेहतर करने के निर्देश दिये। अतिरिक्त मुख्य सचिव ने स्वास्थ्य केन्द्र रायपुर कर्चुलियान एवं गुढ़ के निरीक्षण के दौरान संचालित हो रही ओपीडी का निरीक्षण किया तथा चिकित्सकों व अन्य स्टाफ को निर्देश दिये कि आने वाले मरीजों का बेहतर इलाज करें तथा स्वास्थ्य की जांच व ब्लड सेंपल व अन्य जांच अस्पताल में ही करायें। उन्होंने कोल्डचैन, लैब, पैथालॉजी कक्ष, एनआरसी व वार्डों का भ्रमण किया तथा व्यवस्थायें देखीं। अतिरिक्त मुख्य सचिव ने स्टोर में दवाईयों व अन्य आवश्यक उपकरणों का निरीक्षण किया तथा निर्देश दिये कि अस्पताल में उपलब्ध दवाईयाँ दी जांय तथा इस बात का विशेष ध्यान रखें कि दवाईयाँ एक्सपायरी न हों। उन्होंने रायपुर कर्चुलियान में निर्माणाधीन ब्लाक पब्लिक हेल्थ यूनिट की गुणवत्ता ठीक न होने पर अप्रसन्नता व्यक्त की। जिला अस्पताल के निरीक्षण के दौरान अतिरिक्त मुख्य सचिव ने ओपीडी एवं ऑपरेशन थियेटर व डायलिसिस कक्ष का निरीक्षण किया। उन्होंने टोकन जनरेट करने वाली मशीन से टोकन जनरेट न होने पर कहा कि जो व्यवस्थायें मुहैया कराई गई हैं उनका नियमित संचालन सुनिश्चित करायें। श्री वर्णवाल ने मरीजों से उन्हें मिलने वाली स्वास्थ्य सुविधाओं व अस्पताल की व्यवस्थाओं के विषय में जानकारी ली। उन्होंने निर्देश दिये कि सभी का आभा का रजिस्ट्रेशन अनिवार्यतः कराया जाय। उन्होंने सुपर स्पेशलिटी अस्पतालों में संचालित विभिन्न विभागों तथा स्टोर का निरीक्षण किया। इस दौरान कलेक्टर नरेन्द्र कुमार सूर्यवंशी ने चिकित्सकों व स्टाफ को निर्देश दिये कि सभी स्वास्थ्य केन्द्र समय पर खुलें व मरीजों का बेहतर इलाज हो। निरीक्षण के दौरान संयुक्त संचालक स्वास्थ्य सेवाएँ श्रीमती अवधिया, सीएमएचओ डॉ. यत्नेश त्रिपाठी, सिविल सर्जन डॉ. प्रतिभा मिश्रा सहित चिकित्सक व स्टाफ उपस्थित रहा।

समर्थन मूल्य मे गेंहू सरकार खरीदना चाहती है तो खरीदी व्यवस्था को पटरी में लाये -किसान सूब्रत

रीवा। भारतीय किसान यूनियन मध्यप्रदेश प्रदेश के अध्यक्ष एव राष्ट्रीय किसान समन्वय समित के सदस्य किसान सुब्रत ने मध्यप्रदेश सर कार से आग्रह किया है कि समर्थन मूल्य मे गेंहू अगर खरीदना है तो स्लाट बुकिंग, सर्वर को गतिशील बनाये या फिर कह दे कि गेंहू नही खरीदना है घोषणाएं रोज किन्तु सभी किसानो के स्लाट बुक नही हो रहे सर्वर की गति ना के बराबर स्लाट बुक करने के लिए लगातार पंजियन केन्दो का चक्कर लगा मानसिक परेशानी से गुजर रहे है आखिर किसानो को इतना परेशान क्यो किया जा रहा है सरकार स्पष्ट करे अथवा घोषणा कर दे खरीदी नही करेगे । दो हेक्टेयर, तीन हेक्टेयर के स्लाट बुक हो फिर बाद मे चार हेक्टेयर पाच हेक्टेयर वाले किसानो के स्लाट बुक होगे जो सिर्फ खेती करते है जीवन निर्वाह का संसाधन सिर्फ कृषि है कैसे जीवन निर्वाह करे सरकार के जनप्रतिनिधि सोचे ? किसानो के स्लॉट न बुक होना खरीदी केदो में केंद्र प्रभारी द्वारा मनमानी तरीके से कॉल करना शोषण नही तो क्या है समर्थन मूल्य मे पंजियन के बाद स्लाड बुक ना होने के कारण औने पौने दामो मे गेंहू को बेचने को मजबूर है किसान परेशान है कर्ज अदायगी,शादी बारात अगली खरीफ की तैयारी के लिए खेतो की गहरी जोताई आखिर किसान क्या करे ,फसलो की हार्वेस्टर से कटायी, भूसा बनाने सभी को पैसे देने है एक तरफ स्लाट बुक नही हो रहे दूसरी तरफ जिन किसानो के स्लाट बुक हुए खरीदे गेहू का उठाव ना होने से भुगतान नही हो रहे किसानो की दोहरी मार हो रही है ।कृषि उपज मंडी अधिनियम मे उल्लेख है की सरकार द्वारा घोषित समर्थन मूल्य से कम मे कृषि उपज मंडियो मे डाक नही बोली जायेगी इसे सरकार आज तक लागू नही करा पायी अगर इसे शक्ति से लागू कर दिया जाय तो बर्ष भर रबी एव खरीफ के घोषित समर्थन मूल्य से कम मे कृषि उपज मंडियो मे डाक नही बोली जाय तो किसान इतना परेशान ना हो ।जिन किसानो के समर्थन मूल्य मे खरीदी हो गयी है तत्काल उठाव करा भुगतान कराये या समय से उठाव नही कराना है तो भुगतान तो करा ही दे किसानो को मानसिक पीडा ना दे ।

केन्द्रीय जेल में विशेष लोक अदालत संपन्न

रीवा।

केन्द्रीय जेल रीवा में गत दिवस विशेष लोक अदालत का आयोजन किया गया। लोक अदालत का शुभारंभ उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश श्री संजीव सचदेवा ने वीडियो कान्फ्रेंसिंग से किया। लोक अदालत में विशेष न्यायाधीश श्री संदीप शर्मा ने आपसी सुलह से प्रकरणों के निराकरण की प्रक्रिया की जानकारी दी। लोक अदालत में केन्द्रीय जेल रीवा में बंदियों के राजीनामा योग्य सभी तरह के प्रकरणों की सुनवाई की गई। सुनवाई के बाद निराकरण के लिए पाँच बंदियों को चिन्हित किया गया। इसमें से एक बंदी का आपसी सुलह से प्रकरण लोक अदालत में निराकृत किया गया। लोक अदालत में न्यायाधीश मोहित कुमार शर्मा, न्यायाधीश समीर कुमार मिश्रा, न्यायाधीश दयाल सिंह सूर्यवंशी, जेल अधीक्षक सतीश कुमार उपाध्याय, जिला विधिक सहायता अधिकारी अभय कुमार मिश्रा तथा पैरालीगल वालेंटियर्स उपस्थित रहे।

अतिरिक्त मुख्य सचिव ने उपार्जन केन्द्र का किया निरीक्षण

खरीदी केन्द्रों में समुचित व्यवस्थाएँ सुनिश्चित कराने के दिये निर्देश

रीवा।

अतिरिक्त मुख्य सचिव अशोक वर्णवाल ने उपार्जन केन्द्र गुढ़ क्रमांक-एक का निरीक्षण किया तथा उपार्जित गेंहू की गुणवत्ता एवं परिवहन के संबंध में जानकारी प्राप्त की। खरीदी केन्द्र में उपस्थित किसानों ने बताया कि सर्बर काफी धीमा चल रहा है। अतिरिक्त मुख्य सचिव ने फोन से भोपाल में सर्बर व्यवस्था ठीक करने के निर्देश दिये। उन्होंने स्लाट बुकिंग व किसानों की गेंहू उपार्जन की संख्या के बारे में जानकारी प्राप्त की। इस दौरान बताया गया कि अभी तक 240 किसानों द्वारा स्लाट बुक किया गया है। आज 28 किसानों के स्लाट बुक थे जिनमें से 4 किसानों ने अपना गेंहू विक्रय किया। केन्द्र में अभी तक 2991 क्वटल गेंहू की खरीदी हो चुकी है जिनमें से 2500 क्वटल का परिवहन कर गोदाम में भण्डारण कराया जा चुका है। अतिरिक्त मुख्य सचिव ने उपार्जन केन्द्रों में छाया, पीने के पानी की व्यवस्थाएँ सुनिश्चित कराते हुए पर्याप्त संख्या में तौल कांटा उपलब्ध रहने के निर्देश दिये। इस अवसर पर कलेक्टर नरेन्द्र कुमार सूर्यवंशी ने उपार्जित गेंहू का अपने समझ तौल कराया तथा गेंहू की गुणवत्ता देखी तथा व्यवस्थित उपार्जन के निर्देश दिये। निरीक्षण के दौरान एसडीएम संजय कुमार जैन, उप संचालक कृषि यूपी बागरी सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

अंडर वियर में ब्रांडेड कपड़े छिपाकर करता था कर्मचारी चोरी, करतूत सीसीटीवी में कैद

दुकान संचालक की शिकायत पर पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर भेजा सलाखों के पीछे

रीवा।

शहर में चोरी का एक अनोखा और चौंकाने वाला मामला सामने आया है, जहां सिटी कोतवाली थाना क्षेत्र अंतर्गत प्रकाश चौराहे में संचालित एक कपड़ा दुकान में काम करने वाला कर्मचारी ही चोरी की घटनाओं को अंजाम दे रहा था। आरोपी बेहद शातिर तरीके से कपड़ों को अपने अंडरवियर और पैंट में छिपाकर दुकान से बाहर ले जाता था। लगातार हो रही चोरी से परेशान दुकान संचालक ने जब सीसीटीवी फुटेज खंगाले, तो पूरा मामला उजागर हो गया। मिली जानकारी के अनुसार, शहर के प्रकाश चौराहे स्थित जेडी फैमिली शॉप के संचालक जितेंद्र खुबानी की कपड़ों की दुकान में करीब 6 से 7 कर्मचारी कार्यरत हैं। इन्हीं में से एक कर्मचारी आशीष सिंह पर दुकान के माल में कमी को लेकर संदेह हुआ। प्रारंभ में यह कमी सामान्य समझी गई, लेकिन जब लगातार स्टॉक कम होने लगा तो संचालक ने मामले को गंभीरता से लेते हुए दुकान में लगे सीसीटीवी कैमरों की रिकॉर्डिंग खंगालना शुरू किया। सीसीटीवी फुटेज में साफ तौर पर देखा गया कि आरोपी कर्मचारी आशीष सिंह दुकान के रैक से शर्ट, पैंट, ब्लेजर सहित अन्य महंगे कपड़े निकालकर अपने अंडरवियर और पैंट में छिपा रहा है और फिर सामान्य तरीके से दुकान से बाहर निकल जा रहा है। आरोपी की यह हरकत कई दिनों से जारी थी, जिससे दुकान को आर्थिक नुकसान उठाना पड़ रहा था। जब दुकान संचालक ने आरोपी को इस बारे में पकड़कर पूछताछ की, तो उसने अपनी गलती स्वीकारने के बजाय उल्टा मालिक को जान से मारने की धमकी दे डाली। घटना के बाद आरोपी मौके से फरार हो गया, पीड़ित दुकानदार ने तत्काल सिटी कोतवाली थाना पहुंचकर शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने मामला दर्ज कर आरोपी की तलाश शुरू की और संभावित ठिकानों पर दबिश दी। पुलिस की सक्रियता के चलते आरोपी को कुछ ही समय में गिरफ्तार कर लिया गया।पूछताछ के दौरान आरोपी ने चोरी की वारदातों को अंजाम देने की बात स्वीकार की। पुलिस ने आवश्यक कार्रवाई पूरी करते हुए आरोपी को न्यायालय में पेश किया, जहां से उसे न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया है।

प्रशासन व सामाजिक संगठनों की तत्परता से टली नाबालिग शादी

मऊगंज। जिले में बाल विवाह रोकथाम को लेकर प्रशासन पूरी तरह सतर्क और सक्रिय नजर आ रहा है।कलेक्टर संजय कुमार जैन के निर्देशन में चलाए जा रहे अभियान के तहत सोमवार, 27 अप्रैल 2026 को जनपद नईगढ़ी के अकौरी क्षेत्र में एक संभावित बाल विवाह को समय रहते रोक दिया गया।सूचना मिलते ही महिला एवं बाल विकास विभाग की टीम तत्काल मौके पर पहुंची और स्थिति को नियंत्रित करते हुए संबंधित परिवार को बाल विवाह के दुष्परिणामों तथा इसके कानूनी प्रावधानों की विस्तार से जानकारी दी। इस कार्रवाई का नेतृत्व परियोजना अधिकारी रविशंकर पांडेय ने किया।कार्रवाई में अहिंसा वेलफेयर सोसाइटी के जिला समन्वयक सुरेन्द्र प्रसाद चतुर्वेदी, आशीष कुमार शुक्ला, विभागीय पर्यवेक्षक दुर्गा मरावी एवं सरपंच अच्छेलाल साकेत भी शामिल रहे। टीम की समझाइश के बाद परिवार ने बाल विवाह न करने पर सहमति जताई, जिसके पश्चात मौके पर पंचनामा तैयार कर आवश्यक कार्रवाई पूर्ण की गई।प्रशासन की इस त्वरित और प्रभावी पहल से क्षेत्र में सकारात्मक संदेश गया है तथा बाल विवाह जैसी कुप्रथा के खिलाफ जागरूकता को मजबूती मिली है।प्रशासन की अपीलजिला प्रशासन ने आम नागरिकों से अपील की है कि यदि कहीं भी बाल विवाह की जानकारी मिले, तो तत्काल संबंधित विभाग को सूचित करें, ताकि समय रहते ऐसी घटनाओं को रोका जा सके। नागरिक हेल्पलाइन नंबर 1098, 112 या अन्य माध्यमों से भी सूचना दे सकते हैं।

मध्यम एवं बड़े कृषकों के लिए स्लॉट बुकिंग सुविधा प्रारंभ - कलेक्टर

मऊगंज राज्य शासन द्वारा गेंहू उपार्जन के लिए किसानो के लिए स्लॉट बुकिंग की अवधि 9 मई तक बढ़ा दी गई है , अब छोटे, मध्यम एवं बड़े सभी किसान स्लॉट बुक कर समर्थन मूल्य पर गेंहू विक्रय कर सकते है। । इस व्यवस्था के माध्यम से कृषक निर्धारित समयानुसार उपार्जन केंद्रों पर पहुंचकर अपनी उपज का विक्रय कर सकेंगे, जिससे अनावश्यक भीड़, प्रतीक्षा समय तथा अव्यवस्था की स्थिति से बचाव होगा।

कलेक्टर संजय कुमार जैन ने गत दिवस पन्नी उपार्जन केंद्र का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने केंद्र पर उपलब्ध व्यवस्थाओं, तौल प्रक्रिया, भंडारण, साफ-सफाई एवं किसानों को प्रदान की जा रही सुविधाओं का अवलोकन किया तथा संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि स्लॉट बुकिंग प्रणाली का व्यापक प्रचार-प्रसार सुनिश्चित किया जाए ताकि अधिक से अधिक कृषक इसका लाभ उठा सकें। उन्होंने यह भी कहा

कि उपार्जन केंद्रों पर किसानों को किसी प्रकार की असुविधा न हो, इसके लिए आवश्यक संसाधनों की उपलब्धता सुनिश्चित की जाए। तौल में पारदर्शिता बनाए रखने तथा समय पर भुगतान की व्यवस्था को प्राथमिकता देने के निर्देश भी दिए गए।

निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने किसानों से संवाद कर उनकी समस्याओं एवं सुझावों को भी जाना। किसानों ने स्लॉट बुकिंग व्यवस्था को सुविधाजनक बताते हुए प्रशासन के प्रयासों की सराहना की। कलेक्टर ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि प्राप्त सुझावों के आधार पर व्यवस्थाओं में निरंतर सुधार किया जाए। उल्लेखनीय है कि प्रशासन द्वारा यह पहल जिले में उपार्जन प्रक्रिया को अधिक सुव्यवस्थित एवं किसान अनुकूल बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। इससे न केवल कृषकों को सुविधा मिलेगी, बल्कि उपार्जन कार्य में पारदर्शिता एवं दक्षता भी सुनिश्चित होगी।जिले में राज्य शासन के निर्देशानुसार पंजीकृत किसानों से स्लॉट बुकिंग के आधार पर शासन द्वारा निर्धारित समर्थन मूल्य 2585 एवं बोनस 40 रूपये प्रति क्विंटल कुल 2625 रूपये प्रति क्विंटल की दर से जिले में स्थापित 26 गेहूं उपार्जन केन्द्रों पर गेहूं उपार्जन का कार्य किया जा रहा है। निरीक्षण के दौरान अपर कलेक्टर पीके पांडेय, एसडीम मऊगंज एपी द्विवेदी तथा अन्य अधिकारी उपस्थित रहे